TV उत्तरशक्ति NEWS

मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 7 अंक 208
गुरुवार, 13 फरवरी 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

अमित शाह ने आतंकवाद को पूरी तरह उखाड़ फेंकने का दिया निर्देश

नई दिल्ली, 12 फरवरी। जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास मंगलवार को संदिग्ध आतंकवादियों की ओर से किए गए एक आईईडी विस्फोट में सेना के कैप्टन समेत दो जवान शहीद हो गए, जबकि एक अन्य घायल हो गया। हमले के तुरंत बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा बलों को आतंकवाद को पूरी तरह उखाड़ फेंकने के लिए कई निर्देश दिये हैं। हम आपको बता दें कि शहीद सैनिकों की पहचान कैप्टन करमजीत सिंह बख्शी और नायक मुकेश के रूप में हुई है। यह हमला ऐसे समय में हुआ, जब सेना की जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कॉर्प्स इकाई के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल नवीन सचदेवा ने सोमवार को राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा पर शत्रुतापूर्ण गतिविधियों का जायजा लिया था। सेना ने आईईडी विस्फोट में दो जवानों के शहीद होने की पुष्टि की और कहा, हमारे जवानों ने क्षेत्र की घेराबंदी कर दी है और तलाश अभियान जारी है।

अधिकारियों ने बताया कि जवान भट्टल इलाके में गश्त कर रहे थे, तभी दोपहर तीन बजकर 50 मिनट पर एक अग्रिम चौकी के पास शक्तिशाली विस्फोट हुआ और वे इसकी चपेट में आ गए। उन्होंने बताया कि घायल जवानों को अस्पताल ले जाया गया, जहां एक कैप्टन समेत दो सैन्यकर्मियों की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, विस्फोट में एक अन्य जवान घायल हो गया और उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। सेना की जम्मू स्थित व्हाइट

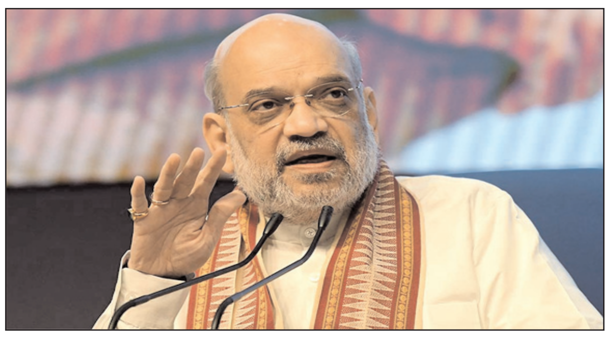

नाइट कॉर्प्स इकाई ने दोनों जवानों के सर्वोच्च बलिदान को सलाम किया।

उधर दोनों जवानों के परिजनों ने कहा कि हमें शहादत पर गर्व है और हम चाहते हैं कि आतंकवादियों को कतई बख्शा नहीं जाये।इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर के लिए प्रतिबद्ध है। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए शाह ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को कड़ी निगरानी, सीमा ग्रिड को मजबूत करने और निगरानी तथा सरहद की हिफाजत के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके अंतरराष्ट्रीय सीमा से घुसपैठ पूरी तरह से रोकने का निर्देश दिया। उन्होंने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) को केंद्र शासित प्रदेश में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ तालमेल जारी रखने का भी निर्देश दिया। गृह मंत्री ने सीआरपीएफ की शीतकालीन कार्य योजना की समीक्षा की और सुरक्षा बल के शीर्ष अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सुनिश्चित करें कि क्षेत्र में वर्चस्व में कोई कमी न रहे तथा जम्मू क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करें और ऊंचे स्थानों पर अपना दबदबा बनाए रखें। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार 'आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर' के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आतंक मुक्त जम्मू-कश्मीर के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अर्धसैनिक बलों की भूमिका पर बल दिया। गृह मंत्री ने जम्मू-कश्मीर में काम कर रहे खुफिया तंत्र की भी समीक्षा की और उन्हें गुणवत्तापूर्ण खुफिया जानकारी उत्पन्न करने के लिए कवरेज और पैठ बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने खुफि या जानकारी उत्पन्न करने के लिए प्रौद्योगिकी के महत्व को दोहराया। शाह ने कहा कि आतंक-वित्तपोषण की निगरानी, नार्को-आतंकवादी मामलों पर कड़ी पकड़ और जम्मू-कश्मीर में पूरे आतंक के इकोसिस्टम को खत्म करना मोदी सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में शून्य आतंक योजना के लिए मजबूत कदम उठाये जा रहे हैं। गृह मंत्री ने राष्ट्र-विरोधी तत्वों द्वारा किए जा रहे नकारात्मक प्रचार का मुकाबला करने पर ध्यान केंद्रित करने का भी निर्देश दिया, ताकि लोगों के सामने सही तस्वीर पेश की जा सके।

राजस्थान के श्रीमाधोपुर के पास सड़क हादसे में पत्नी-पत्नी की मौत, छह घायल

श्रीमाधोपुर, 12 फरवरी। राजस्थान के श्रीमाधोपुर के पास बुधवार तड़के हुए एक सड़क हादसे में पति पत्नी की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में छह अन्य घायल हुए हैं। श्रीमाधोपुर थाने के हेड कॉन्स्टेबल श्रीराम ने बताया कि कार में सवार लोग आगरा से खाटूश्यामजी जा रहे थे। इसी दौरान, श्रीमाधोपुर के पास खंडेला रोड पर बंद पड़े रलावता टोल पर ये हादसा हो गया। बुधवार तड़के हुए इस हादसे में आगरा निवासी अजीत सिंह (35) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उनकी पत्नी सीमा (33) ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। दुर्घटना में दंपत्ति सहित छह लोग घायल हुए हैं, जिन्हें जयपुर के एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मुफ्त की रेवड़ियों पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को चुनाव से पहले मुफ्त सुविधाओं की घोषणा करने की प्रथा की निंदा की और कहा कि लोग काम करने के इच्छुक नहीं हैं क्योंकि उन्हें मुफ्त राशन और पैसा मिल रहा है। ये टिप्पणियाँ न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने की जो शहरी क्षेत्रों में बेघर व्यक्तियों के आश्रय के अधिकार से संबंधित एक मामले की सुनवाई कर रही थी। न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि दुर्भाग्य से इन मुफ्त सुविधाओं के कारण लोग काम करने को तैयार नहीं हैं। उन्हें मुफ्त राशन मिल रहा है। उन्हें बिना कोई काम किए राशि मिल रही है। हम उनके लिए आपकी चिंता की सराहना करते हैं, लेकिन क्या यह बेहतर नहीं होगा कि उन्हें समाज की मुख्यधारा का हिस्सा बनाया जाए ।

पत्नी की सहमति के बिना उसके साथ अप्राकृतिक यौन संबंध बनाना अपराध नहीं : हाईकोर्ट

छत्तीसगढ़। अपनी वयस्क पत्नी के साथ उसकी सहमति के बिना भी पुरुष द्वारा अप्राकृतिक यौन संबंध बनाना अपराध नहीं माना जा सकता, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने जगदलपुर निवासी को बलात्कार और अन्य आरोपों से बरी करते हुए यह टिप्पणी की। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने कहा कि पति द्वारा अपनी पत्नी के साथ उसकी सहमति के बगैर किसी भी तरह के यौन कृत्य को दुष्कर्म नहीं कहा जा सकता। उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने सोमवार को एक आदेश में यह टिप्पणी की और आरोपी पति को भारतीय दंड संहिता की तीनों धाराओं 304, 376 और 377 के तहत लगे सभी आरोपों से बरी

कर दिया है तथा उसे तत्काल जेल से रिहा करने का आदेश दिया। इस मामले में अदालत ने पिछले साल 19 नवंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था और सोमवार (10 फरवरी) को फैसला सुनाया।

उच्च न्यायालय से मिली जानकारी के अनुसार बस्तर (जगदलपुर) के निवासी याचिकाकर्ता पति ने अपनी पत्नी के साथ 11 दिसंबर 2017 की रात को उसकी सहमति के बगैर अप्राकृतिक संबंध बनाए थे। पति पर आरोप लगाया कि इस कृत्य के कारण पीड़िता को असह्य पीड़ा हुई और बाद में इलाज के दौरान अस्पताल में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर पति को गिरफ्तार कर लिया। जब मामले की सुनवाई अधीनस्थ अदालत में हुई तब अदालत ने आईपीसी की धारा 377 (अप्राकृतिक यौन कृत्य) 376 (दुष्कर्म) और 304 (गैर इरादतन हत्या) के तहत पति को दोषी ठहराया और उसे 10 साल कारावास की सजा सुनाई। अदालत के इस फैसले के बाद पति ने उच्च न्यायालय में अपील दायर की।

इंद्राणी मुखर्जी की विदेश यात्रा की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने की खारिज

नई दिल्ली, 12 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को इंद्राणी मुखर्जी की विदेश यात्रा की अनुमति देने से इनकार करने के बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा और निचली अदालत को शीना बोरा हत्या मामले में एक साल के भीतर कार्यवाही समाप्त करने का निर्देश दिया। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि आप वापस आएंगे. ट्रायल अंतिम चरण में है. इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि मुकदमा चल रहा है, हम इस स्तर पर अनुरोध पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं। हम निचली अदालत को सुनवाई में तेजी लाने और एक साल के भीतर सुनवाई पूरी करने का निर्देश देते हैं। पीठ ने मुखर्जी को निचली अदालत में जाने की छूट दी।

सीबीआई के वकील ने मुखर्जी के विदेश यात्रा के अनुरोध का विरोध करते हुए तर्क दिया कि मामला संवेदनशील था और मुकदमा पहले ही आधा आगे बढ़ चुका था, जिसमें 96 गवाहों से पूछताछ की गई थी। मुखर्जी के वकील ने दलील दी कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल चुकी है और 92 और गवाहों से पूछताछ की जानी बाकी है। उन्होंने यह भी बताया कि ट्रायल कोर्ट पिछले चार महीनों से खाली है, जिससे

कार्यवाही में और देरी हो सकती है। 19 जुलाई को एक विशेष अदालत द्वारा मुखर्जी को अगले तीन महीनों में 10 दिनों के लिए स्पेन और यूके की यात्रा की अनुमति देने के बाद यात्रा प्रतिबंधों का मुद्दा सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया। हालाँकि, बॉम्बे हाई कोर्ट ने 27 सितंबर को सीबीआई की अपील के बाद इस आदेश को पलट दिया। मुखर्जी ने उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया। वकील सना रईस खान के माध्यम से दायर अपनी याचिका में, मुखर्जी ने कहा कि वह एक ब्रिटिश नागरिक थीं क्योंकि उन्होंने आवश्यक परिवर्तन और संशोधन करने और लंबित कार्यों की देखभाल के लिए स्पेन और अपने गृह देश की यात्रा करने की अनुमति मांगी थी, जिसे उनकी व्यक्तिगत उपस्थिति के बिना नहीं किया जा सकता। उन्होंने तर्क दिया कि स्पेन में सभी प्रासंगिक कार्यों और प्रशासन के लिए डिजिटल प्रमाणपत्र की सक्रियता जरूरी थी और उनकी भौतिक उपस्थिति अनिवार्य थी।

मथुरा में महाकुंभ से लौट रही दो बसों की टक्कर में तीन लोगों की मौत, दो दर्जन घायल

मथुरा, 12 फरवरी। मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर महाकुंभ से लौट रही एक डबल डेकर बस ने एक अन्य खड़ी बस को टक्कर मार दी जिससे तीन लोगों की मौत हो गई और दो दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि जो बस खड़ी थी वह भी प्रयागराज में महाकुंभ से श्रद्धालुओं को लेकर लौट रही थी। यह बस भी डबल डेकर थी। खड़ी बस के बाहर उतरे दो यात्री दब गए और उनकी मौके पर ही

मौत हो गई, जबकि एक अन्य ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडे के अनुसार, दुर्घटना तब हुई जब महाकुंभ से लौट रही एक बस में एक्सप्रेसवे पर तकनीकी खराबी आ गई। चालक ने बस को सड़क किनारे खड़ा कर दिया और किसी को कल-पुर्जे लाने के लिए भेज दिया। उन्होंने बताया कि प्रयागराज से लौट रही एक अन्य डबल डेकर बस एक कार से आगे निकलने की कोशिश में खड़ी बस से टकरा गई। राया पुलिस थाने के प्रभारी अजय किशोर ने बताया कि मृतकों की पहचान दिल्ली के नवादा निवासी परमानंद (68), गाजियाबाद के खोड़ा कॉलोनी निवासी राजकुमार (50) और मध्यप्रदेश के छतरपुर निवासी अमित मिश्रा (23) के रूप में हुई है।

पार्टी के नोटिस का जवाब दूंगाः अनिल विज

हरियाणा, 12 फरवरी। हरियाणा के मंत्री अनिल विज ने मंगलवार को कहा कि वह मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष मोहन लाल बडौली पर बार-बार निशाना साधने को लेकर पार्टी द्वारा उन्हें जारी कारण बताओ नोटिस का जवाब देंगे।

बडौली ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर सोमवार को विज को नोटिस जारी किया गया और पार्टी ने मंत्री से तीन दिन के भीतर लिखित जवाब मांगा है। हवाई अड्डे के बाहर यहां पत्रकारों से बातचीत में विज ने कहा कि वह पिछले तीन दिन से बेंगलुरु में थे और घर पहुंचने के बाद अपना जवाब तैयार करेंगे।

हरियाणा के अंबाला कैंट स्थित अपने घर जाने से पहले ऊर्जा एवं परिवहन मंत्री विज ने शाम में संवाददाताओं से कहा, मैं घर जाऊंगा, ठंडे पानी से नहाऊंगा, खाना खाऊंगा और अपना जवाब लिखने बैठूंगा, जिसे मैं आलाकमान को भेजूंगा।

प्रदेश भाजपा प्रमुख बडौली ने विज को जारी नोटिस में कहा,

आपको सूचित किया जाता है कि आपने हाल में पार्टी (के प्रदेश) अध्यक्ष (बडौली) और मुख्यमंत्री पद के खिलाफ सार्वजनिक बयान दिए हैं। ये गंभीर आरोप हैं और पार्टी की नीति और आंतरिक अनुशासन के खिलाफ हैं। इसमें कहा गया, हम आपसे तीन दिन के भीतर इस विषय पर लिखित स्पष्टीकरण देने की अपेक्षा करते हैं। अंबाला कैंट से सात बार के विधायक विज (71) लगातार सैनी पर निशाना साध रहे थे। हालांकि, मुख्यमंत्री ने इस मुद्दे को तवज्जो नहीं दी और दावा किया था कि विज नाराज नहीं हैं और पार्टी के वरिष्ठ नेता होने के नाते उन्हें अपनी बात कहने का अधिकार है।

ARUNODAYA Surgical & Trauma Center
अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)

वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग

गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist STAR
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

SALVATION HOSPITAL
साल्वेशन हॉस्पिटल
The Culture of Care

पंडित दीनदयाल उपाध्याय
राज्यकर्मी कैशलेस चिकित्सा योजना संबद्ध अस्पताल

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना
के अंतर्गत सूचीबद्ध अस्पताल
प्रदेश के लगभग 6 करोड़ लोगों के लिए 5 लाख रुपये तक के इलाज पूरी तरह से निःशुल्क

24/7 Emergency Services
24 घंटे भर्ती की सुविधा
आई.सी.यू. | डायलेसिस | एच.डी.यू.
नेत्र विभाग | अस्थि रोग विभाग
दन्त चिकित्सा | किडनी विभाग
जनरल मेडीसिन | जनरल सर्जरी

डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव
B.A.M.S.
(स्त्री रोग विशेषज्ञ)

डॉ. विवेक श्रीवास्तव
M.D. (Physician, F.G.O.
(APOLO HOSPITAL) P.G.D.S.
Member of Indian Medical
Association UPMCI Rg. No. 95653

नोट- प्रत्येक महीने के दूसरे रविवार को प्रयागराज के गुर्दा रोग विशेषज्ञ डा0 सन्तोष मौर्य (M.D., D.M. Nephro) 12 बजे से 4 बजे तक उपलब्ध रहते हैं।
कंधरपुर, मुरादगंज, जौनपुर (वाराणसी-लखनऊ न्यू हाइवे के बगल में बाईपास से 400 मीटर की दूरी पर 9138828282, 8686867547

भारत एआई क्रांति में अग्रणी बन दुनिया का नेतृत्व करें

-ललित गर्ग

पेरिस में हुए दो दिवसीय एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) एक्शन समिट ने जहां दुनिया के लिए आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के महत्व को उजागर किया, वहीं यह भी साफ कर दिया कि इस मामले में होड़ के बावजूद सभी देशों का आपसी तालमेल बनाए रखते हुए, सावधानी से आगे बढ़ना जरूरी है। एआई से बदलती दुनिया के चमत्कार वरदान से कम नहीं है, लेकिन इससे जुड़ी चुनौतियां एवं खतरे इसे अभिशाप में भी बदल सकते हैं। बहुत आवश्यक है कि इसके उपयोग के संदर्भ में कोई वैश्विक ढांचा एवं नियंत्रण का केन्द्र एवं नीति बने। क्योंकि एआई के दुरुपयोग के खतरे किसी से छिपे नहीं। अभी एआई का उपयोग अपने प्रारंभिक चरण में ही है, लेकिन इससे पैदा होने वाली कई चुनौतियां एवं खतरों ने सिर उठा लिया है। लेकिन इस नई तकनीक से जीवनशैली, शिक्षा, चिकित्सा, युद्ध, सेना, शासन-प्रशासन, चुनाव, व्यापार, विचार आदि में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल रहे हैं। भारत एआई को लेकर बहुत उत्साहित है और दुनिया में एआई का सबसे बड़ा केन्द्र बनने को भी तैयार है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के साथ इस शिखर बैठक की सह-अध्यक्षता की बल्कि अगली शिखर बैठक की मेजबानी करने की पेशकश भी करते हुए बता दिया कि भारत इस पहल को कितनी गंभीरता से लेता है।

भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होते हुए तकनीकी विकास की दृष्टि से भी सफलता के नये झंडे गाड़ रहा है। एआई को लेकर भारत की सोच सकारात्मक एवं विकासमूलक है इसीलिये प्रधानमंत्री मोदी ने यह सही कहा कि इस तकनीक में दुनिया को बदलने की ताकत है, लेकिन अमेरिका की कुछ बड़ी तकनीकी कंपनियों ने सूचना संसार में अपना एकाधिकार स्थापित कर लिया है। उनके एकाधिकार और उनकी मनमानी से निपटना विश्व के तमाम देशों के लिए मुश्किल हो रहा है। यदि इसी तरह का एकाधिकार एआई कंपनियों ने भी स्थापित कर लिया तो फिर समस्या गंभीर हो जाएगी। सबसे अधिक समस्या विकासशील और निर्धन देशों को होगी, जो पहले से ही चुनिंदा तकनीकी कंपनियों के वर्चस्व तले दबी हुई है। मोदी ने एआई तकनीक के संतुलित एवं विवेकसम्मत उपयोग एवं विकास की आवश्यकता को भी व्यक्त किया। क्योंकि यह उन्नत तकनीक बनाने वाली कुछ कंपनियां उसे अपने हिसाब से संचालित करती हुई भी दिख रही हैं। इस तकनीक का मनमाना इस्तेमाल न होने पाए, इसके लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को प्रभावी कदम उठाने होंगे। यह एआई एक्शन समिट ऐसे समय हो रही है, जब चीनी कंपनी डीपसीक दुनिया को एक जबर्दस्त झटका दे चुकी है।

भारत एआई की चुनौतियों एवं खतरों को लेकर सतर्क है। क्योंकि एआई द्वारा प्रस्तुत चुनौतियाँ बहुआयामी हैं और लगातार विकसित हो रही हैं। उदाहरण के लिए, डीपफेक, जो डिजिटल मीडिया हैं-वीडियो, ऑडियो और चित्र-जिन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके संपादित और हेरफेर किया जाता है, हाइपर-रियलिस्टिक डिजिटल मिथ्याकरण को शामिल करते हैं। इसका संभावित रूप से प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने, सबूत गढ़ने और लोकतांत्रिक संस्थानों में विश्वास को कम करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। जबकि डीपफेक का इस्तेमाल चुनावों जैसे कुछ मामलों में किया गया है, उनका उपयोग विभिन्न अन्य क्षेत्रों में भी तेजी से देखा जा रहा है। डीपफेक के अलावा, एआई से जुड़े अन्य जोखिम भी हैं। इनमें गोपनीयता, पूर्वाग्रह, पारदर्शिता, जवाबदेही और दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए एआई के संभावित दुरुपयोग से संबंधित मुद्दे शामिल हैं। भारत सरकार इन मुद्दों को सलाह और विनियमों के माध्यम से नियोजित एवं नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है जो पारदर्शिता, सामग्री मॉडरेशन, सहमति तंत्र और डीपफेक पहचान पर जोर देते हैं ताकि जिम्मेदार एआई तैनाती सुनिश्चित हो और चुनावी अखंडता की रक्षा हो सके। यह एक सतत प्रयास है और जैसे-जैसे आगे बढ़ेंगे, इन चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक मजबूत तंत्र के विकास के साथ सक्षम होने की अपेक्षा रहेगी। एआई विकसित होता रहेगा, नये-नये करिश्माई एवं चमत्कारी आयाम उसके जुड़ते रहेंगे और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह ऐसे तरीके से हो जो सभी के लिए सुरक्षित, नैतिक और लाभकारी हो। आवश्यक बुनियादी ढांचे, हार्डवेयर और क्लाउड कंप्यूटिंग क्षमताओं के विकास में सहायता के लिए निवेश महत्वपूर्ण है। सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग से आवश्यक पूंजी जुटाई जा सकती है। यह संयुक्त प्रयास एआई नवाचार, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा दे सकेगा और जिससे भारत एआई क्रांति में अग्रणी बन दुनिया का नेतृत्व कर सकेगा। इसी पहल को रेखांकित करते हुए पेरिस की तीसरी एआई एक्शन समिट, जिसमें दुनिया भर के 90 देशों और तमाम बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस हमारे भविष्य का अनिवार्य हिस्सा है, लेकिन किसी भी वजह से इसकी ग्रोथ को बेकाबू होने दिया गया तो उसके परिणाम खतरनाक साबित हो सकते हैं। भारत की भूमिका को खास बनाता है इसका असाधारण टैलंट पूल, इसके वे इंजिनियर और वैज्ञानिक जो नाम मात्र की लागत पर बड़े-बड़े अंतरिक्ष अभियान को अंजाम देते रहे हैं। हालांकि अभी तक इस मामले में भारत की पहल बहुत अच्छी नहीं कही जा सकती। बेहतर होगा कि केंद्र सरकार एक स्वतंत्र मंत्रालय बनाकर इस तकनीक को लेकर अपनी प्राथमिकता तय करे। इनोवेशन में भारत को हर जोखिम को उठाने के लिये स्वयं को सक्षम करना होगा। एआई का समुचित लाभ उठाने के लिए बहुत कुछ करने की जरूरत है। एआई के जरिये वे अनेक काम किए जा सकते हैं, जो अब तक मनुष्य करते रहे हैं, लेकिन यह ध्यान रहे कि उसमें मानवीय संवेदनाएं नहीं होतीं और वह उपलब्ध डाटा के आधार पर ही किसी नतीजे पर पहुंचती है। अब यदि डाटा ही सटीक न हो तो नतीजे भी नुकसान पैदा करने वाले हो सकते हैं। इस पर हैरानी नहीं कि अति उन्नत एआई को मानव सभ्यता के लिए संकट के रूप में भी देखा जा रहा है। इस आशंका को निर्मूल साबित करने वाले उपाय करना समय की मांग हैं और उन पर ज्यादा फोकस करना होगा।

इस तरह की तकनीक तभी लाभकारी सिद्ध होती है, जब उसका उपयोग समझदारी, नैतिकता एवं विवेकपूर्ण होता है। ज्यादा जरूरी है उसके दुरुपयोग की आशंकाओं पर प्रभावी ढंग से लगाम लगाने की स्थितियों एवं तंत्र को विकसित करने की। एआई के मामले में ऐसा इसलिए अनिवार्य रूप से करना होगा, क्योंकि यह मानव जीवन को कहीं गहराई से प्रभावित करने की क्षमता रखती है। एआई एक नई तकनीक है और बहुत से लोग उसके प्रयोग के तौर-तरीकों से अपरिचित हैं। इसीलिए यह आशंका उभरी है कि उसके कारण रोजगार का संकट पैदा हो सकता है। भारत में विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न नौकरियों पर एआई के प्रभाव को समझने के लिए एक व्यापक, डेटा-समर्थित अध्ययन आवश्यक है। आईएमएफ की एक रिपोर्ट ने अनुमान लगाया है कि एआई दुनिया भर में लगभग 40 प्रतिशत नौकरियों को प्रभावित करेगा, कुछ को प्रतिस्थापित करेगा और दूसरों को पूरक करेगा। यह भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एआई अपने उपयोग के विकास के साथ नए प्रकार की नौकरियां भी पैदा करेगा। एआई पहले से ही विनिर्माण से लेकर बैंकिंग, स्वास्थ्य सेवा, कृषि और शिक्षा तक सभी क्षेत्रों में बदलाव ला रहा है। उदाहरण के लिए, शिक्षा क्षेत्र में, एआई व्यक्तिगत पाठ्यक्रम, परीक्षण, सीखने के तरीके और वितरण को सक्षम करके भारत के सीखने के परिदृश्य को बदल रहा है। निःसंदेह यह नई तकनीक अवसर बन रही है, तकनीकी विकास का सूरज बनकर नयी समाज संरचना को बल दे रही है। यह संभावनाभरा है कि पेरिस शिखर सम्मेलन में एआई के क्षेत्र में भारत और प्रमुख देशों के बीच सामंजस्य बढ़ने के संकेत मिले, लेकिन बात तब बनेगी, जब यह मंच एआई के नियमन एवं नियोजित विकास के लिए सहमति कायम करने की बुनियाद बने। एआई की तीव्र प्रगति और व्यापक अनुप्रयोग को देखते हुए, भारत के लिए अपना स्वयं का एआई सुरक्षा संस्थान स्थापित करना अपेक्षित है। ऐसा संस्थान सुरक्षित और नैतिक एआई प्रथाओं को विकसित करने, अनुसंधान करने और एआई के उपयोग में सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर सकता है।

महाराष्ट्र में गुलियन-बैरी सिंड्रोम के मामलों की संख्या बढ़ती जा रही है। केंद्र व महाराष्ट्र सरकार अलर्ट मोड़ पर

अशोक भाटिया

मुंबई शहर में गुइलेन-बैरी सिंड्रोम (GBS) के कारण पहली मृत्यु की सूचना मिली है। इससे इस बीमारी से मरने वालों की संख्या आठ हो गई है। वडाला निवासी 53 वर्षीय मृतक की पहचान बी.एन. देसाई अस्पताल में वार्ड बॉय था। उन्हें नायर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया, लेकिन रिपोर्टों के अनुसार अंततः उनकी बीमारी से मृत्यु हो गई। कुछ दिन पहले यह खबर सामने आई थी कि मुंबई में एक 64 वर्षीय महिला इस बीमारी से संक्रमित हो गई है। यह मृत्यु इस सिंड्रोम से पीड़ित पहले रोगी के पता चलने के कुछ ही दिनों बाद हुई। इस महिला को दस्त और बुखार था। इसके बाद पक्षाघात हुआ, जो इस रोग का एक प्रमुख लक्षण है एक रिपोर्ट के अनुसार, अकेले पुणे में गिलियन-बैर सिंड्रोम के संदिग्ध और पुष्ट मामलों की संख्या 197 तक पहुंच गई है। यह जानकारी पांच और मरीज पाए जाने के बाद सामने आई। महाराष्ट्र में कुल मौतों की संख्या आठ हो गई है।

महाराष्ट्र में गुलियन-बैरी सिंड्रोम इसके ज्यादातर मामले पुणे और इसके आस-पास के इलाकों में देखने को मिल रहे हैं। असम में भी इसके कुछ मामले सामने आएं हैं। बता दें कि पहले राज्य के पुणे से ही गुइलेन-बैरे सिंड्रोम के मामले सामने आ रहे थे। हालांकि, पुणे के बाद अब नागपुर में भी इस बीमारी के मरीज बढ़ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, दो मरीजों को वेंटिलेटर पर रखा गया है। गुइलेन-बैरे सिंड्रोम के मामले के सामने आने के बाद नागपुर सहित विदर्भ के सरकारी अस्पताल अलर्ट मोड पर आ गए हैं। लोगों को डॉक्टर की सलाह बिना दवाई ना लेने की सलाह दी गई है।

इससे होने वाली मौतों की वजह से लोगों में इसे लेकर डर का माहौल है। AIMS के पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर विवय शर्मा बताते है कि गुलियन -बैरी सिंड्रोम जिसे शॉर्ट में GBS कहते हैं एक रेयर न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर है, जिसके मामले आमतौर पर हर एक लाख लोगों में से एक या दो में देखने को मिलते हैं। इस बीमारी में हमारा इम्यून सिस्टम ही हमारी पेरिफेरल नर्व्स पर हमला कर देता है।

दरअसल हमारा शरीर किसी इंफेक्शन से लड़ने के लिए जो एंटीबॉडीज बनाता है वो नसों के ऊपर की कवरिंग जिसे मायलिन शीथ कहते हैं उस पर हमला करने लगते हैं। जिसकी वजह से मांसपेशिया कमजोर हो जाती हैं और हमारे हाथ-पैर ठीक से काम करना बंद कर देते हैं। इस बीमारी को GBS कहते हैं जो एक बहुत रेयर बीमारी है। GBS बीमारी संक्रामक नहीं है लेकिन यह बीमारी जिस कारण से हो रही है वो अगर बढ़ जाए तो GBS के मरीजों की संख्या भी बढ़ने लगेगी। इसलिए यह आउटब्रेक ज्यादातर वॉटर बर्न इंफेक्शन, या गंदे हाथ का इस्तेमाल करने से या गंदे खाने से होता है। अगर इन वजह से आपको कोई इंफेक्शन होता है तो आपकी बॉडी उससे लड़ने के लिए एंटीबॉडी बनाती है। एंटीबॉडी उस इंफेक्शन का तो काम तमाम कर देती है, लेकिन फिर ये एंटीबॉडी हमारे शरीर में जो नर्व्स हैं उनको फॉरेन बॉडी समझ के उनपर भी अटैक करने लगती है। इस बीमारी को GBS कहते हैं।

आमतौर पर इस बीमारी में ब्रेन इंवॉल्वमेंट नहीं होता है। यह शुरू होता है पैरों की कमजोरी से और धीरे-धीरे फिर यह ऊपर की ओर बढ़ता है, जिससे हमें हाथों में भी कमजोरी महसूस होने लगती है फिर हमारे सांस लेने के रेस्पिरेटरी मसल्स को भी यह अफेक्ट करने लगता है, जिसकी वजह से मरीज को सांस लेने में दिक्कत होने लगती है, शरीर के दूसरे अंगों पर भी इसका असर पड़ सकता है।

मान लीजिए आपको कैम्पिलोबैक्टर इन्फेक्शन (Campylobacter infection) या पेट इंटेस्टाइनल इंफेक्शन हुआ और आप उससे ठीक भी होने लगते हैं लेकिन उसके बाद जब एंटीबॉडी आपकी नर्व्स पर हमला करने लगती है, इसकी वजह से सबसे पहले जो GBS के लक्षण नजर आते हैं वो हैं पैरों में कमजोरी, दर्द, खड़े होने में दिक्कत महसूस होना, चलने में दिक्कत होना।

डॉ. ने बताया कि इन्फेक्शन होने के हफ्ते दो हफ्ते बाद ही नर्वस सिस्टम के कमजोर होने पर इसके लक्षण नजर आने लगते हैं, क्योंकि सर्दी, खांसी, पेट खराब जैसी बीमारियां तो आमतौर पर होती रहती हैं और ठीक भी हो जाती है। लेकिन जब मरीज को कमजोरी या दर्द होने लगे पैर में और यह कमजोरी हर दिन बढ़ रही हो तो उसे तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए। ये कमजोरी नीचे से ऊपर की ओर बढ़ती है। आम तौर पर इसकी शुरूआत पैरों से होती है फिर जांघों में उसके बाद कमर में फिर हाथों में महसूस होने लगती है। धीरे-धीरे सांस लेने में भी मरीज को तकलीफ महसूस होने लगती है क्योंकि इसका असर रेस्पिरेटरी मसल्स पर भी पड़ने लगता है। इस वजह से मरीज को वेंटिलेटर पर रखना पड़ता है।

जब मरीज हमसे पैरों में दर्द या झुनझुनी की शिकायत करता है, तो हम देखते हैं कि उसके मसल्स का पावर कैसा है। अगर मसल्स में जितना जोर होना चाहिए वो उतना नहीं है तो हम ये पता करने के लिए कि इस बीमारी में क्या नर्व इंवॉल्वड हैं, कुछ टेस्ट करते है जिससे पता चल सके की GBS है या नहीं हम मरीज के ब्रेन का MRI स्कैन करते है वो नॉर्मल आता है, क्योंकि GBS ब्रेन को अफेक्ट नहीं करता है यह हमारे पेरिफेरल नर्व्स जो हाथ पैर में जा रहे हैं उस पर हमला करता है। इसके बाद फिर स्पाइन का स्कैन किया जाता है। अगर GBS है को नर्व में हमें सूजन या इम्फ्लेमेशन के फीचर्स दिखने लगते हैं जिससे पता चल जाता है।

एक और इंपॉर्टेंट इन्वेस्टिगेशन है वो है नर्व कंडक्शन स्टडी (Nerve Conduction Study)। इसमें हम देखते हैं कि मस्तिष्क से जो इलेक्ट्रिकल एक्टिविटी आ रही है वो कितनी तेजी से हाथों और पैर के निचले हिस्सों में पहुंचती है। अगर उसकी स्पीड कम हो जाती और उसकी वोल्टेज भी कम होता है तो GBS हो सकता है। इसके अलावा हम रीड की हड्डी में जो पानी होता है उसको निकाल भी जांच करते हैं कि GBS है कि नहीं।

जैसा कि आपको बताया कि एंटीबॉडीज पेरिफेरल नर्व्स के ऊपर जो कवरिंग होती है उसे अटैक करने लगते हैं, तो वहां अगर हम इन एंटीबॉडीज को टिकने नहीं दे तो यह इसका एक इलाज है। इसके लिए हम लोग इंट्रावीनस इम्यूनोग्लोबुलिन देते हैं, ये नर्व के ऊपर जो कवरिंग के रिसेप्टर्स है उससे ये बना बनाया एंटीबॉडी अटैच हो जाता है, जिससे जो GBS वाली एंटीबॉडी है वो वहां अटैच नहीं हो पाते हैं। इस तरह बीमारी को बढ़ने से रोक लिया जाता है लेकिन जरूरी है कि ये इलाज जल्दी शुरू किया जाए ताकि ज्यादा फायदा हो सके और इससे हम लोग इस बीमारी की गंभीरता को भी कम कर सकते हैं। यह एक सबसे इंपॉर्टेंट शुरूआती इलाज है इसके अलावा और भी कई इलाज है। एक इलाज है प्लाज्मा फेरेसिस इसमें हम मरीज के खून को निकाल के स्पेशल फिल्टर से गुजारने के बाद फिर पंप बैक कर देते हैं। इस तरह GBS वाले एंटीबॉडीज को हटा लिया जाता है। इसके अलावा इलाज के लिए हम कभी-कभी स्टेरॉयड्स (Steroids) का भी इस्तेमाल करते हैं। स्टेरॉइड इंफ्लेमेशन को कम करता है जिससे GBS वाले एंटीबॉडी की संख्या कम होने लगती है। GBS के यह तीन मुख्य इलाज है जिससे हम बीमारी की गंभीरता को कम कर सकते हैं।

इस बीमारी से ठीक होने में हफ्तों से महीने लग सकते हैं ।ये डिपेंड करता है कि पेशेंट की बॉडी कितनी जल्दी रिकवर हो रही है या जो माइलिन की परत डैमेज हो चुकी है वह कितने जल्दी ठीक हो रही है। GBS की कोई वैक्सीनेशन नहीं है लेकिन हमारा शरीर इंफेक्शन से लड़ने के लिए जो एंटीबॉडीज बनाता है जो बाद में माइलिन शीथ को डैमेज करने लगती है उन एंटीबॉडीज की संख्या या क्वांटिटी कम करने के लिए हम लोग इम्यूनोग्लोबुलिन का इस्तेमाल करते हैं जो काफी महंगा होता है। लेकिन यह GBS की वैक्सीन नहीं है।

गुइलेन-बैरे सिंड्रोम (GBS) से बचने के उपाय के बारे में डॉक्टर बताते है कि लोगों को घर का बना खाना खाएं बाहर खाने से बचें। उबाल कर या फिल्टर करके पानी पिएं। हाथों को अच्छी तरह धोने के बाद ही खाना खाएं। अगर आपको शरीर में कमजोरी, दर्द या झनझनाहट महसूस हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। साफ -सफाई का ख्याल रख के पेट खराब या गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल इंफेक्शन और कॉमन फ्लू वायरस जैसे रेस्पिरेटरी इंफेक्शन से बचने की कोशिश करें। महाराष्ट्र में सरकार जीबीएस को लेकर काफी गंभीर हो गई है। हाल की एक बैठक में मेडिकल एजुकेशन मिनिस्टर हसन मुश्रीफ ने कहा कि इस मामले में राज्य सरकार द्वारा एसओपी तैयार किया गया है। पुणे, नागपुर और सोलापुर में ही जीबीएस के मामले सामने आए हैं। दूषित पानी की वजह से जीबीएस बीमारी फैल रही है। इस बीमारी से निपटने के लिए एक टास्क फोर्स का भी गठन किया गया है। केंद्र सरकार की टीम के साथ मिलकर राज्य सरकार की स्वास्थ्य विभाग की टीम काम कर रही है। अधिकारियों द्वारा इसे लेकर कहा जा रहा है कि इस बीमारी से डरने की कोई जरूरत नहीं है।

सूचना क्रांति व एआई चैटबॉट युग में भी जीवन को रौशन कर रहा है रेडियो

-सुनील कुमार महला

आज का युग सूचना क्रांति का युग है, एडवांस एआई तकनीक का युग है। विज्ञान ने आज इतनी अधिक तरक्की कर ली है कि सूचना क्रांति और एआई तकनीक के इस आधुनिक युग में आज हमारे पास मनोरंजन के अनेक साधन उपलब्ध हैं।प्राचीन काल में मनोरंजन के साधन आखेट, कथा-कहानी, आपबीती, तैराकी, घुड़सवारी, पर्यटन, चौसर, खेल-तमाशे, कुश्ती, कबड्डी,ताश, शतरंज ,कला, प्रदर्शन, नृत्य, संगीत, बाजे,नाटक, मेले, सामाजिक सभाए ं(चौपाल), ढ़ोलक, हारमोनियम पर गाना आदि हुआ करते थे और मनुष्य इन साधनों के द्वारा मनोरंजन किया करता था। पहले के जमाने में आज की तरह न इंटरनेट की उपलब्धता ही थी और न ही स्मार्ट फोन,लैपटॉप, टीवी ही हुआ करता था। कहना गलत नहीं होगा कि पहले के जमाने में मनोरंजन के सीमित संसाधन थे। वैसे पुराने जमाने में मनोरंजन का एक बड़ा साधन जो रहा है, वह 'रेडियो' है। कहना गलत नहीं होगा कि रेडियो जानकारी प्रदान करने, लोगों को शिक्षित करने, संस्कृतियों के बीच अभिव्यक्ति की अनुमति देने और निश्चित रूप से, हमारे सभी पसंदीदा संगीत बजाने का एक शानदार और सशक्त मंच है। चाहे तकनीक कितनी भी उन्नत क्यों न हो जाए, रेडियो एक अपूरणीय माध्यम है, खासकर प्राकृतिक या मानव निर्मित आपदाओं के दौरान। सच तो यह है कि रेडियो आज प्रसारण का वह माध्यम है जो मनोरंजन, स्थानीय समाचार, खेल अपडेट, चर्चाएँ, बढ़िया संगीत प्रदान करता है, और मार्केटिंग का भी एक प्रभावी तरीका है। आज सोशल नेटवर्किंग साइट्स के इस आधुनिक युग में भी रेडियो की प्रासंगिकता समय के साथ बिल्कुल भी कम नहीं हुई है और आज 13 फरवरी है-'विश्व रेडियो दिवस।' पाठकों को बताता चलूं कि पहला रेडियो प्रसारण 1895 में गुग्लिल्मो मार्कोनी द्वारा किया गया था और संगीत और बातचीत का रेडियो प्रसारण, जिसका उद्देश्य व्यापक दर्शकों के लिए था, प्रयोगात्मक रूप से, कभी-कभी 1905-1906 के आसपास अस्तित्व में आया। यह भी उल्लेखनीय है कि जेम्स क्लर्क मैक्सवेल ने सबसे पहले रेडियो की संभावना का प्रस्ताव रखा था।साल 1920 के दशक की शुरूआत में रेडियो व्यावसायिक रूप से अस्तित्व में आया और लगभग तीन दशक बाद रेडियो स्टेशन अस्तित्व में आए और 1950 के दशक तक रेडियो और प्रसारण प्रणाली दुनिया भर में एक आम वस्तु बन गई। वास्तव में विश्व रेडियो दिवस का उद्देश्य रेडियो के महत्व के बारे में जनता और मीडिया के बीच अधिक जागरूकता बढ़ाना है। इस दिन का उद्देश्य रेडियो स्टेशनों को अपने माध्यम से सूचना तक पहुंच प्रदान करने और प्रसारकों के बीच नेटवर्किंग और अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना भी है। बहरहाल,भले ही आज के युग के बारे में कोई ये समझे कि आज का मल्टीप्लेक्स सिनेमा का युग है या सोशल नेटवर्किंग साइट्स का युग है। लेकिन रेडियो का महत्व आज भी कम नहीं हुआ है। शहरों में सिटी बसें दौड़ रहीं हों या आटो-टैक्सियां आपको इनमें रेडियो बजता हुआ सुन जाएगा। आज स्थान स्थान पर बहुत से कम्युनिटी रेडियो सेंटर्स खुल गये हैं अथवा एफ.एम. की बहार है। सिटी बसेज में तो एफ.एम. का अपना अलग ही आनंद है। आप दिल्ली चले जाइए, जयपुर घूम आइए या किसी अन्य बड़े शहर की सैर कर आइए, आपको रेडियो मिर्ची, समाचार जरूर ट्यून होते मिलेंगे। चाय की थड़ियों में, दुकानों में अखबार पढ़ने के साथ ही आपको रेडियो सुनने का आनंद लेते लोग मिल जाएंगे। आज भागमभाग भरी व दौड़-धूप भरी इस जिंदगी में भी रेडियो की एक अपनी अलग ही महत्ता व खूबी है। गांवों में आज भी बहुत से लोग बड़े चाव से रेडियो सुनते हैं, क्योंकि रेडियो अनपढ़ और पढ़े-लिखे दोनों ही लोगों का परम मित्र है। रेडियो वह शक्तिशाली माध्यम है जो लोकतान्त्रिक विमर्श के लिए एक शानदार मंच का निर्माण करता है। रेडियो संचार का सबसे अच्छा व बेहतरीन माध्यम है। वास्तव में रेडियो एक ऐसी सेवा है जो दुनियाभर में सूचनाओं का आदान प्रदान करती है। यह बात सत्य है कि आज के समय में अधिकतर लोगों के लिए रेडियो पुराने जमाने की बात हो गई है, परंतु रेडियो बुजुर्गों के लिए आज भी मनोरंजन का एक अत्यंत सशक्त साधन व शानदार माध्यम है। मोबाइल फोन के अधिक प्रयोग से अन्य वर्गों का इससे रुझान पहले से काफी कम हुआ है। लेकिन आज भी रेडियो पर हम सभी समाचार सुनतें हैं, कृषि संबंधी विभिन्न जानकारियां सुनते हैं, सरकार की योजनाओं के बारे में सुनते हैं, रेडियो फोन- इन -प्रोग्राम सुनते हैं, यहाँ तक कि नाटक,कहानी,वार्ता व विज्ञापन तक सुनते हैं। महानगरों में सिटी बसों में रेडियो ही बजता सुनाई देता है और इससे सवारियों का अच्छा खासा मनोरंजन होता है। वास्तव में सूचनाओं को आदान प्रदान करने में रेडियो की जो भूमिका है, वह किसी अन्य साधन की अब तक नहीं है, क्योंकि रेडियो सूचनाओं का प्रसार करने का सबसे शक्तिशाली और सस्ता माध्यम है। वैसे विश्व रेडियो दिवस की शुरूआत वर्ष 2011 में की गई थी।साल 2010 में स्पेन रेडियो अकादमी ने 13 फरवरी को विश्व रेडियो दिवस मनाने के लिए पहली बार प्रस्ताव दिया था। साल 2011 में यूनेस्को के सदस्य देशों ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया और 13 फरवरी को विश्व रेडियो दिवस मनाने की घोषणा की। बाद में साल 2012 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भी इसे अपना लिया। फिर उसी साल 13 फरवरी को पहली बार यूनेस्को ने विश्व रेडियो दिवस मनाया। गौरतलब है कि इटली के पीसा विश्वविद्यालय में प्रथम विश्व रेडियो दिवस के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था।पहली बार 13 फरवरी, 2012 को विश्व रेडियो दिवस आयोजन में विश्व की प्रमुख प्रसारक कंपनियों को बुलाया गया था जिसमें 44 भाषाओं में कार्यक्रम प्रसारित करने वाली दुनिया की सबसे बड़ी एवं पुरानी कंपनी रेडियो रूस भी शामिल हुई थी। भारत में 1936 में ह्यइंपीरियल रेडियो ऑफ इंडियाह्न की शुरूआत हुई थी जो आजादी के बाद ह्यऑल इंडिया रेडियोह्न के नाम से विख्यात हुआ। वर्ष 1957 में ऑल इंडिया रेडियो का नाम बदलकर ह्यआकाशवाणीह्न कर दिया गया। ह्यबहुजन हिताय, बहुजन सुखायह्न के अपने ध्येय वाक्य के साथ आकाशवाणी 27 भाषाओं में शैक्षिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, सामाजिक, खेलकूद, युवा, बाल एवं महिला तथा कृषि एवं पर्यावरण संबंधी प्रस्तुतियों से संपूर्ण देश को एकता के सूत्र में पिरोते हुए सुवासित परिवेश निर्मित कर रही है। साथ ही शेष विश्व को भारतीय संस्कृति और साहित्य से परिचित भी करा रही है। 2 अक्टूबर, 1957 को स्थापित ह्यविविध भारतीह्न ने 1967 से व्यावसायिक रेडियो प्रसारण शुरू कर नए युग में प्रवेश किया। यह भी बताना बड़ा रूचिकर होगा कि आजादी के समय भारत में केवल 6 रेडियो स्टेशन थे और आज बहुत से रेडियो स्टेशन उपलब्ध हैं। बताता चलूं कि हर साल रेडियो दिवस पर एक खास थीम तैयार की जाती है और इस साल यानी कि वर्ष 2022 की थीम 'विकास' थी। विश्व रेडियो दिवस 2023 का विषय 'रेडियो और शांति' रखा गया था। वहीं पर वर्ष 2024 में इसकी थीम 'रेडियोः सूचना देने, मनोरंजन करने और शिक्षित करने वाली एक सदी' रखी गई थी। पाठकों को बताता चलूं कि इस वर्ष यानी कि 2025 में रेडियो दिवस की थीम 'रेडियो और जलवायु परिवर्तन' रखी गई है।हमें यह भी जानना चाहिए कि डॉयचै वैले जर्मन अंतरराष्ट्रीय प्रसारणकर्ता है जो तीस भाषाओं में प्रसारण करता है। इसके अलावा वॉइस आफ अमेरिका, बीबीसी अन्य प्रमुख प्रसारणकर्ता हैं। एक दौर था जब देश में टेलीविजन नहीं हुआ करते थे और उस जमाने में हर कोई रेडियो सुनना पसंद करता था। आज तो टीवी है, टीवी भी नहीं एल ई डी टीवी आ गए हैं, स्मार्टफोन का जमाना है, स्मार्टफोन ही नहीं स्मार्ट घड़ियां भी आ चुकीं हैं लेकिन रेडियो का महत्व कम नहीं हुआ है। यह बात अलग है कि पहले के जमाने की तुलना में रेडियो आज कम ही सुना जाता है लेकिन अब धीरे धीरे देश दुनिया रेडियो की और लौट रही है। आज कम्यूनिटी रेडियो आ गए हैं जो बीस पच्चीस किलोमीटर के एरिया में सुने जाते हैं। कम्यूनिटी रेडियो अपने एप तैयार कर रहे हैं, जिससे उन्हें दुनिया के किसी भी कोने में सुना जा सकता है। दूर-दराज के क्षेत्रों, पहाड़ों, दुर्गम क्षेत्रों, रेगिस्तान आदि में रेडियो सुनने का जो आनंद है, वह कहीं भी नहीं है। रेडियो की पहुंच शहरों ही नहीं कस्बों व गांवों तक है और आप कहीं भी बैठे आसानी से रेडियो सुन सकते हैं। आजकल तो विभिन्न मोबाइल कंपनियां की बोर्ड वाले फोन में ३रेडियो३ का ऑप्शन जरूर देतीं हैं, जिसे इयरफोन का इस्तेमाल कर कभी भी सुना जा सकता है। एंड्रॉयड फोन में तो आप कभी भी रेडियो एप इंस्टाल करके रेडियो सुनने का आनंद ले सकते हैं। रेडियो का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे आपकी आंखों की सेहत हमेशा अच्छी बनी रहती है, हम सभी घरों में बैठे बैठे टेलीविजन देखना अधिक पसंद करते हैं, कलर टेलिविजन आंखों पर बुरा प्रभाव डालता है, जबकि रेडियो पॉरटेबल होता है, उसे आप खेतों में पानी लगाते वक्त, वॉक करते समय, रसोई या कहीं भी काम करते करते भी सुन सकते हैं। वास्तव में रेडियो की प्रासांगिकता हमेशा हमेशा के लिए कायम रहेंगी, क्योंकि रेडियो से हम भावात्मक रूप से जुड़ाव महसूस करते हैं। वास्तव में बहुत बार हमारी आंखें वह काम नहीं कर पातीं हैं जो हमारे कान कर पाते हैं, भगवान ने हमें दो कान ज्यादा से ज्यादा सुनने के लिए ही दिए हैं। जो चीज आंखें देख नहीं पाती हैं, उसे हमारे कान सुन लेते हैं, रेडियो में यह क्षमता है कि वह हमें सुनना सिखाता है, हमारा ध्यान अपनी ओर आकृष्ट करता है। रेडियो की खास बात यह है कि यह हमारी कल्पनाशीलता को हमेशा बढ़ावा देता है, टेलीविजन में वह बात नहीं है, जो रेडियो में है। बहुत कम लोगों को यह जानकारी होगी कि पहले के जमाने में रेडियो रखने व सुनने के लिए लाइसेंस लेना पड़ता था। आज की युवा पीढ़ी को यह बात आश्चर्यचकित कर सकती है लेकिन यह सत्य है। आज सोशल नेटवर्किंग साइट्स के इस जमाने में लोग यह बात कह सकते हैं कि रेडियो ने दिन-ब-दिन अपनी पहचान व महत्व खो दिया है, आज शहरों में भी रेडियो को ठीक करने की दुकानें नहीं मिलतीं, जैसा कि आज से बीस-पच्चीस बरस पहले मिलती थी। यहाँ तक कि नया रेडियो तक बाजार में उपलब्ध नहीं हो पाता है, क्योंकि युवा पीढ़ी का अधिक रूझान एंड्रॉयड मोबाइल की ओर है लेकिन, नये माध्यम के आने के बावजूद रेडियो प्रचलन से बाहर कतई नहीं हुआ है, रेडियो हमारे एंड्रॉयड व साधारण मोबाइल में हमेशा उपलब्ध है। जिस प्रकार से घड़ी पहनना पसंद करने वाले लोग मोबाइल आने के बाद भी घड़ी पहनना नहीं छोड़ते,ठीक उसी प्रकार से रेडियो के प्रति भी लोगों का मोह आज तक बना हुआ है। रेडियो के साथ जो आत्मीयता आदमी की होती है, शायद किसी ओर माध्यम के साथ कभी नहीं हो सकती। पुराने जमाने में रेडियो गांव की चौपालों में,गांव के घरों में बजता था, यह हमारे सैनिकों के मनोरंजन व समाचार प्राप्त करने का सच्चा साथी था। नये माध्यम आने से पुराने माध्यम कभी भी अपना दम नहीं खोते,बल्कि वे उभरते जाते हैं। आज गांव-गांव कम्युनिटी रेडियो हैं तो शहर शहर एफ.एम.स्टेशन। रेडियो मिर्ची प्रोग्राम आदमी को जो खुशी व आनंद प्रदान करता है, वह कभी भी मल्टीप्लेक्स संस्कृति में हमें प्राप्त नहीं हो सकती है। जिस प्रकार से सोशल नेटवर्किंग साइट्स, इंटरनेट, कम्प्यूटर युग आने से प्रिंट मीडिया का महत्व कम नहीं हुआ है, ठीक उसी प्रकार से रेडियो का महत्व भी कभी कम नहीं होगा,क्योंकि रेडियो हमारी 'आत्मा और हमारे मन' से जुड़ा है और जो चीज हमारी 'आत्मा और मन' से जुड़ी हुई होती है वह न तो कभी आउटडेटेड हो सकती है और न ही हमसे परे। रेडियो की आवाज गति हमेशा त्वरित होती है। आपने क्रिकेट कमेंट्री के वक्त अक्सर टेलीविजन पर देखा होगा कि रेडियो पर जब प्लेयर द्वारा चौका-छक्का लगाने की बात हम सुनते हैं, तब तक टेलीविजन पर बॉलर द्वारा बॉल फेंकने की तस्वीर आ रही होती है। मतलब यह है कि रेडियो में गति है। रेडियो आपको दृश्य जगत की कल्पनीय दुनिया में तुरंत ले जाता है और रेडियो से हम भावनात्मक रूप से जुड़ जाते हैं। आकाशवाणी केन्द्र बिजली द्वारा ध्वनि को बिजली की लहरों में परिवर्तित कर देता है।फिर इन लहरों को आकाश में छोड़ दिया जाता है। इन लहरों को रेडियो रिसीवर पकड़ लेते हैं और सुनने वाले रेडियों के बटन दबाकर मनचाहे कार्यक्रम सुन सकते हैं। आज रेडियो क्षण भर में विश्व में घटित महत्वपूर्ण सूचनाएं हम तक तुरन्त पहुँचा देता है । व्यापारी वर्ग व विभिन्न कंपनियों के विज्ञापन भी रेडियों से प्रसारित होते हैं। रेडियो पर विभिन्न सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक परिस्थितियों की जानकारी, पर्वों पर विशेष कार्यक्रम, बच्चों के लिए शिक्षाप्रद कहानियाँ आदि अनेक कार्यक्रम प्रसारित होते हैं।इसके अतिरिक्त पुराने नए फिल्मी गाने, विभिन्न कलाकारों से वातालार्प, शास्त्रीय संगीत, नाटक, महत्वपूर्ण वाताएँ, स्त्रियों के घरेलू कार्यक्रम, जिनमें उन्हें-खाना बनाने की रेसिपी, कपड़ों,बच्चों की देखभाल, घरेलू चिकित्सा के उपाय आदि के बारे में भरपूर जानकारी दी जाती है। कृषि, मौसम संबंधी अनेक जानकारियां हमें रेडियो से मिलती हैं। रेडियो में हर कला का दृष्टिकोण इस में समाहित है।मनोरंजन का यह साधन पहले भी लोकप्रिय था, आज भी लोकप्रिय है और भविष्य में भी रहेगा। रेडियो की महत्ता कभी भी कम नहीं होगी।

कांग्रेस के बाद क्षेत्रीय दलों में भी पतन का दौर

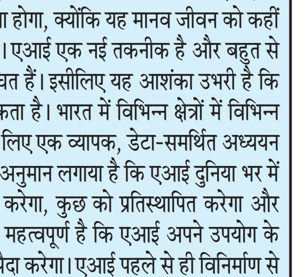

-अजय कुमार

देश की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी का उभार और कांग्रेस सहित कई क्षेत्रीय दलों का पतन काफी कुछ कहता है। भले ही हार से बौखलाए मोदी और बीजेपी विरोधी नेता चुनाव में धांधली का आरोप लगा रहे हों ? सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग की बात करते हों ? लेकिन ऐसा नहीं है कि विरोधियों को अपनी राजनैतिक कमजोरी और सियासी अपरिपक्वता का अहसास नहीं है,लेकिन बार-बार पराजित हो रहे यह नेता सच्चाई स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं।जबकि सच्चाई यह है कि बीजेपी को छोड़कर देश की किसी भी राजनैतिक दल में लोकतांत्रिक व्यवस्था ही नहीं है। इसमें देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस सहित बहुजन समाज पार्टी,समाजवादी पार्टी,राष्ट्रीय जनता दल, बीजू जनता दल,उद्धव ठाकरे की शिवसेना,शरद पवार की एनसीपी, ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस जैसी पार्टियों की लम्बी चौड़ी लिस्ट हैं। अब इसमें नया नाम कट्टर ईमानदार ह्यआम आदमी पार्टीह्न का भी जुड़ गया है। हालांकि आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हार के लिये अभी तक ईवीएम मशीन या सरकारी मशीनरी पर किसी तरह की धांधली का आरोप नहीं लगाया है,जबकि उसी समय उत्तर प्रदेश में अयोध्या की चर्चित मिल्कीपुर विधान सभा सीट पर मिली जबर्दस्त हार के बाद समाजवादी पार्टी का प्रलाप लगातार जारी है। ऐसा ही प्रलाप कांग्रेस अध्यक्ष खरगे,नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सहित उनकी पार्टी के तमाम नेता भी करते रहते हैं। हालात यह है कि हार से बौखला कर मोदी विरोधी नेता उन्हें(मोदी) और बीजेपी को ही नहीं चुनाव आयोग,सीबीआई,ईडी जैसी एजेंसियों के खिलाफ भी भड़ास निकालते रहते हैं। यह नेता मोदी को नीचा दिखाने के लिये देश की छवि भी खराब करने से नहीं चूकते हैं। इसमें विदेश से पढ़ाई करके आने वाले टेक्नोटेक सपा प्रमुख अखिलेश यादव और आईआरएस रह चुके अरविंद केजरीवाल जैसे पढ़े लिखे नेता शामिल हैं तो बिहार में लालू यादव के पुत्र तेजस्वी यादव भी आरोप-प्रत्यारोप वाली सियासत से ऊपर नहीं उठ पा रहे हैं।

दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने अपनी आभा को एकदम मटियामेट कर दिया है. जो केजरीवाल 12 साल पहले यूथ आइकॉन बनकर उभरे थे, वे अब धूल में लथपथ पड़े हैं. विधान सभा में ह्यदिल्ली का मालिक मैं हूँह्न जैसे अहंकारी बयान देने वाले और हरियाणा सरकार पर यमुना नदी में जहर मिलाने का आरोप लगाकर अपनी फजीहत करा चुके अरविंद केजरीवाल दिल्ली जैसे आधे-अधूरे राज्य का मुख्यमंत्री रहने के बाद प्रधानमंत्री का ख्वाब देखने लगे थे मगर अब वे विधायकी भी गंवा बैठे. राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है, कि अरविंद जिस तेजी से राजनीति में चमके थे उसी तत्परता से औंधे मुंह जा गिरे. अब उनका कोई भविष्य नहीं है और इसकी वजह है उनका बड़बोलापन और भरोसे की राजनीति न करना एवं उनकी अवसरवादिता.दिल्ली में अरविंद केजरीवाल से अधिक भद्द राहुल गांधी की पिटी है। पिछले कई चुनावों से दिल्ली में शून्य सीटों का रिकॉर्ड राहुल गांधी और कांग्रेस के नाम दर्ज है।

अरविंद केजरीवाल की तरह ही नेताजी मुलायम सिंह यादव की राजनैतिक विरासत संभाले हुए अखिलेश यादव की है। 2012 के विधानसभा चुनाव जीतने के बाद तत्कालीन सपा प्रमुख मुलायम सिंह यादव ने अपनी जगह अपने बेटे अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठा दिया था,जबकि अनुभव के नाम पर अखिलेश खाली हाथ थे। इसके बाद अखिलेश यादव अपने दम पर भले ही राजनीति में कुछ खास नहीं कर पाये हों,लेकिन उनके बड़बोलेपन और अपनी हार का ठीकरा दूसरों के सिर फोड़ने की महारथ के चलते खूब नाम कमा रहे हैं।विवादित बयानबाजी की बात की जाये तो अखिलेश यादव अपने अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद को अयोध्या का नया राजा कहकर प्रभु श्रीराम और उनके भक्तों का उपहास उड़ाने के चक्कर में खुद फजीहत करा बैठते हैं। उन्हें ट्रॉफी की तरह अपने साथ लेकर घूमते थे,लेकिन मिल्कीपुर विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद अखिलेश अपने होश खो बैठे हैं । सपा नेता हार से इतना बौखला गये हैं कि पार्टी के महासचिव प्रो रामगोपाल यादव तो यूपी के सरकारी अधिकारियों को ही नसीहत देने लगे हैं कि वह मुख्यमंत्री योगी जी का आदेश सुनने की बजाये उन्हें नसीहत दें। अखिलेश यादव से लेकर शिवपाल यादव, रामगोपाल यादव हताशा में डूबते जा रहे हैं। रामगोपाल तो अयोध्या में रामलला के मंदिर को भी बेकार कह चुके हैं। सपा के तमाम नेता महाकुंभ में कथित अव्यवस्था को लेकर भी लगातार सीएम पर हमलावर हैं,लेकिन इससे समाजवादी पार्टी को हासिल क्या हो रहा है,यह प्रश्न चिन्ह बना हुआ है।क्योंकि समाजवादी पार्टी का पीडीए पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है। मिल्कीपुर में तो सपा को यादवों तक का वोट नहीं मिला।

बीएलएस इंटरनेशनल का तीसरी तिमाही में बेहतरीन वित्तीय प्रदर्शन

मुंबई। भारत के मल्टीनेशनल कॉर्पोरेशन और सरकारों व नागरिकों के लिए भरोसेमंद ग्लोबल टेक-इनेबल्ड सर्विस पार्टनर बीएलएस इंटरनेशनल सर्विसेस लिमिटेड ने 31 दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों के लिए अपने समेकित वित्तीय परिणामों की घोषणा की। कंपनी का परिचालन राजस्व वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 17.1% बढ़कर 512.8 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में 437.9 करोड़ रुपये था। कंपनी का एबिटा वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में 88.6 करोड़ रुपये की तुलना में इस तिमाही में 78.5% बढ़कर 158.1 करोड़ रुपये हो गया। एबिटा मार्जिन वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में 20.2% से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 30.8% हो गया। पार्टनर द्वारा संचालित मॉडल से स्व-प्रबंधित मॉडल में चल रहे बदलाव और नए अधिग्रहित व्यवसायों के एकीकरण से मार्जिन विस्तार को बढ़ावा मिला। तिमाही के लिए पीएटी वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में 87.2 करोड़ रुपये की तुलना में 127.9 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल की समान तिमाही से 46.7% की वृद्धि है। वित्त वर्ष 2025 में किए गए अधिग्रहणों के बाद 31 दिसंबर 2024 तक कंपनी का शुद्ध नकदी शेष 690 करोड़ रुपये था। बीएलएस इंटरनेशनल सर्विसेस लिमिटेड के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर श्री शिखर अग्रवाल ने कहा, ३कंपनी ने इस तिमाही में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखा है, जो सभी प्रमुख वित्तीय और परिचालन मानकों में मजबूत वृद्धि से स्पष्ट होता है। एबिटा में सुधार पर कंपनी ने ध्यान केंद्रित किया था और इसका ही नतीजा है कि हमने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 78.5% और वित्त वर्ष 2025 के नौ माह में 78.3% की सालाना वृद्धि दर्ज की है। यह वृद्धि मजबूत ऑपरेशनल इफिशियंसी, पार्टनर-मैनेज्ड मॉडल से सेल्स-मैनेज्ड मॉडल में परिवर्तन, और नए व्यवसायों के एकीकरण के कारण संभव हुई है। इस तिमाही में हमने आदिफिडेलिस सॉल्यूशंस प्रा. लिमिटेड और इसकी सहयोगी कंपनियों में 57% नियंत्रण हिस्सेदारी का अधिग्रहण पूरा कर लिया है।

गुजरात इंजेक्ट लिमिटेड ने तीसरी तिमाही के मजबूत नतीजों की घोषणा की

मुंबई। बीएसई लिस्टेड, गुजरात इंजेक्ट (केरल) लिमिटेड देश में कृषि उत्पादों के क्षेत्र में एक प्रसिद्ध अग्रणी कंपनी है। कंपनी ने दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही में अपने शुद्ध लाभ में 4500% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की। कंपनी थोक सब्जियों और फलों का व्यापार करने में माहिर है। यह सीधे किसानों से ताजा उपज प्राप्त करती है और गुणवत्ता, ताजगी और दोषरहित आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करते हुए इसे दुकानदारों तक पहुंचाती है। गुजरात इंजेक्ट (केरल) का दिसंबर-2024 तिमाही का शुद्ध लाभ 21.16 लाख रुपए था, जो गत वर्ष की इसी अवधि में शुद्ध लाभ 0.46 लाख की तुलना में 45 गुना ज्यादा अधिक रहा। इसके अलावा, दिसंबर-2024 तिमाही में कंपनी की आय 315.23 लाख रुपए थी, जो गत वर्ष इसी समयावधि में 21.59 लाख दर्ज की गई थी, यह कंपनी की 1,360% तक की वृद्धि दर्शाता है। दिसंबर-2024 को समाप्त नौ महीनों के लिए, गुजरात इंजेक्ट (केरल) की आवक 1,480.86 लाख रुपए दर्ज की गई है जो पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि में 36.96 लाख रुपए थी। यानी यह 3,906% की वृद्धि दर्शाता है। साथ ही, नौ महीने की अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 94.40 लाख रुपए था, जो पिछले वर्ष इसी समयावधि में 4.48 लाख रुपए से 2,007% अधिक है। गुजरात इंजेक्ट (केरल) के शेयरों की फेस वैल्यू 10 रुपए है और शुक्रवार, 7 फरवरी, 2025 को इसका समापन मूल्य 27.13 रुपए था। पिछले 52 हफ्तों में, शेयर 28 रुपए की उच्च और 8.74 रुपए का न्यूनतम स्तर देखा गया है। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 38.04 करोड़ रुपए है।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने मुंबई, महाराष्ट्र में स्कूल शिक्षकों के लिए रोड सेफ्टी सम्मेलन आयोजित किया

मुंबई। यातायात सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों के तहत, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने मुंबई, महाराष्ट्र में महत्वपूर्ण रोड सेफ्टी सम्मेलन का आयोजन किया। यह कार्यक्रम एचएमएसआई की सतत परियोजना - हमारी भविष्य की पीढ़ी के लिए मानसिकता विकास का एक प्रमुख पहलू है, जो प्रारंभिक अवस्था से ही सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सम्मेलन में मुंबई के सरकारी स्कूलों के 100 प्रधानाचार्यों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन में सम्मानित अतिथियों में श्री निसार खान, उप शिक्षा अधिकारी, पश्चिमी उपनगर, मुंबई; श्री गोरखनाथ भावरी, प्रशासनिक अधिकारी, स्कूल शिक्षा, मुंबई; श्री प्रभु नागराज, ऑपरेटिंग अधिकारी, कॉर्पोरेट अफेयर्स; और श्री हरप्रीत सिंह, महाप्रबंधक, सेफ्टी राइडिंग डिवीजन - कॉर्पोरेट अफेयर्स सहित सरकार और एचएमएसआई के अन्य प्रतिष्ठित प्रतिनिधि उपस्थित रहे। भारत के चुनौतीपूर्ण यातायात माहौल को ध्यान में रखते हुए, एचएमएसआई शिक्षा और मानसिकता विकास की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल देता है, जो जिम्मेदार सड़क व्यवहार को आकार देने में सहायक है। इस सम्मेलन का उद्देश्य छात्रों और समुदायों के बीच सड़क सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता को रेखांकित करना था। भारत में वर्तमान यातायात परिदृश्य को देखते हुए, अनुशासित सड़क उपयोग की सख्त आवश्यकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए एचएमएसआई ने विशेष रूप से डिजाइन किए गए शैक्षिक मॉड्यूल प्रस्तुत किए, जो बच्चों में ३सुरक्षा प्रथम३ की मानसिकता विकसित करने में मदद करेंगे।

मेटा का नया कदम: इंस्टाग्राम टीन अकाउंट्स के साथ किशोरों के लिए और भी सुरक्षित ऑनलाइन अनुभव

मुंबई/पटना। सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर, मेटा भारत में चरणबद्ध तरीके से इंस्टाग्राम टीन अकाउंट्स का विस्तार कर रहा है, जिससे युवा उपयोगकर्ताओं की ऑनलाइन सुरक्षा को और मजबूत किया जा सके। ये टीन अकाउंट्स खासतौर पर किशोरों के लिए बनाए गए हैं, ताकि उन्हें एक सुरक्षित और उनकी उम्र के उपयुक्त डिजिटल अनुभव मिल सके। इन अकाउंट्स में पहले से मौजूद सुरक्षा सुविधाएं अवांछित बातचीत को सीमित करती हैं, गोपनीयता सेटिंग्स को मजबूत बनाती हैं और माता-पिता को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर बेहतर नियंत्रण रखने में मदद करती हैं, जिससे युवा उपयोगकर्ताओं को एक अधिक सुरक्षित सोशल मीडिया अनुभव मिल सके।

आज के डिजिटल दौर में, जहां इंटरनेट बच्चों की सोच और आदतों को प्रभावित कर रहा है, वहां उनकी ऑनलाइन सुरक्षा बेहद जरूरी हो गई है। माता-पिता, शिक्षक और नीति-निमार्ता लंबे समय से साइबरबुलिंग, हानिकारक सामग्री और गोपनीयता जोखिमों को लेकर चिंतित हैं। इंस्टाग्राम का नया टीन अकाउंट फीचर इन चिंताओं का समाधान करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह 16 साल से कम उम्र के सभी किशोरों के लिए सख्त सुरक्षा सेटिंग्स को अपने आप लागू कर देता है, जिससे संदेश भेजने, बातचीत करने और हानिकारक सामग्री देखने पर कड़ा नियंत्रण रहता है।

सामूहिक नकल के मामले सामने आने पर परीक्षा केंद्रों पर स्थायी प्रतिबंध लगाया जाएगा: फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि जिन परीक्षा केंद्रों पर कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के लिए सामूहिक रूप से नकल की सूचना मिलेगी, उन पर स्थायी रूप से रोक लगा दी जाएगी। महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (एमएसबीएसएचएसई) के अनुसार, मंगलवार को महाराष्ट्र उच्चतर माध्यमिक प्रमाणपत्र (एचएससी) की 12वीं की परीक्षा के पहले दिन नकल करने के 42 मामले सामने आए।

फडणवीस ने मंगलवार को अधिकारियों को संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर ड्रोन और वीडियो कैमरों से निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह निर्देश भी दिए कि अगर नकल कराने में स्कूल कर्मचारी या शिक्षक शामिल पाए गए तो उन्हें बर्खास्त कर दिया जाए।

यह निर्णय मंगलवार को राज्य मंत्रिमडल की बैठक के दौरान लिया गया। फडणवीस ने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस के अधिकारियों से भी बातचीत की और परीक्षा की तैयारियों का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलाधिकारी विशेष दस्ते बनाएं जो परीक्षा शुरू होने से एक घंटा पहले परीक्षा केंद्रों पर पहुंचें और उत्तर पुस्तिकाएं संरक्षक के पास जमा होने तक वहीं रहें। उन्होंने कहा कि जिन परीक्षा केंद्रों पर कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के लिए सामूहिक रूप से नकल की सूचना मिलेगी, उन पर स्थायी रूप से रोक लगा दी जाएगी।

राज्य के 3,373 केंद्रों पर 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो गई हैं जो 18 मार्च तक जारी रहेंगी। राज्य माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने बताया, ह्यह्यएचएससी परीक्षा के पहले दिन नकल के 42 मामले सामने आए।ह्लह्ल राज्य के तीन हजार से अधिक परीक्षा केंद्रों पर पहले दिन 15 लाख से अधिक छात्रों ने अंग्रेजी विषय की परीक्षा दी।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में स्पेशल कमांडो यूनिट सी-60 का जवान शहीद

गढ़चिरौली। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में घायल हुआ सी-60 का एक जवान मंगलवार को शहीद हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शहीद जवान की पहचान 39 वर्षीय महेश नागुलवार के रूप में हुई है, जो गढ़चिरौली का रहने वाला था और स्पेशल ऑपरेशन स्क्वॉड से जुड़ा हुआ था।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दिरांगी और फुलनार गांव के बीच नक्सली शिविर स्थापित किए जाने की खुफिया सूचना के आधार पर सोमवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 18 सी-60 इकाइयों और 2 क्यूएटी इकाइयों ने अभियान शुरू किया था।

अधिकारी के मुताबिक, अभियान में नागुलवार को गोली लगी और उसे हेलीकॉप्टर से इलाज के लिए गढ़चिरौली ले जाया गया, जहां वह शहीद हो गया। अधिकारी के अनुसार, जवान का अंतिम संस्कार बुधवार को गढ़चिरौली में उसके पैतृक गांव में किया जाएगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की कि राज्य सरकार मुठभेड़ में शहीद हुए जवान के परिवार को दो करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देगी।

नवी मुंबई में रोड रेज की घटना में हुई हत्या के आरोप में एक गिरफ्तार

नवी मुंबई। नवी मुंबई में इस महीने की शुरूआत में रोड रेज की घटना में दो मोटरसाइकिल सवारों द्वारा एक व्यक्ति की हत्या की जांच के सिलसिले में पुलिस ने एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि दो फरवरी को सड़क पर हुए इस विवाद में वाशी निवासी शिवकुमार रोशनलाल शर्मा (45) की मौत हो गई थी। शर्मा अपने दोपहिया वाहन से बेलपाड़ा-उत्सव चौक रोड से गुजर रहे थे तभी उन्होंने अपना वाहन सामने से आ रहे स्कूटर के सामने से अचानक मोड़ दिया था।

इस हरकत से गुस्साए आरोपी शर्मा की गाड़ी रुकवाया और उनसे भिड़ गए। उनमें से एक ने पीड़ित को पकड़ लिया, जबकि दूसरे ने उसके सिर पर हेलमेट से वार किया। शर्मा मौके पर ही गिर पड़े। पुलिस के अनुसार, कुछ राहगीरों ने उन्हें नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने अपराधियों को पकड़ने के लिए आठ टीम बनाई। पुलिस ने मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि उन्होंने विभिन्न इलाकों के सीसीटीवी फुटेज की जांच की और संदिग्धों का पता लगाने के लिए तकनीकी और खुफिया सूचनाओं का भी इस्तेमाल किया।

पुलिस ने मंगलवार को एक गुप्त सूचना के आधार पर पड़ोसी जिला मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) से मोहम्मद रेहान अंसारी (22) नामक एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा कि गिरफ्तारी के बाद आरोपी को एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जिसने उसे 15 फरवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया।

जिला परिषद कार्यालय में मनाई गई संत शिरोमणि रोहिदास महाराज की जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिला मुख्यालय अंतर्गत स्थित जिला परिषद कार्यालय में बुधवार 12 फरवरी 2025 को संत शिरोमणि रोहिदास महाराज की जयंती मनाई गई। इस मौके पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी भानुदास पालवे तथा समाज कल्याण समिति सभापति मनीषा निमकर ने संत शिरोमणि रोहिदास महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अभिवादन किया। बतादें कि संत शिरोमणि रोहिदास महाराज (1267-1335 [1]) ने 15 वीं से 16 वीं शताब्दी के भक्ति आंदोलन के एक भारतीय गूढ़ कवि संत थे। वे उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पंजाब और हरियाणा के आधुनिक प्रदेशों में गुरु (आध्यात्मिक शिक्षक) यानी पूज्यनीय, वे कवि, समाज सुधारक और आध्यात्मिक व्यक्तित्व थे। गुरु रविदास को रैदास, रोहिदास एवं रूहीदास के नाम से भी जाना जाता है।संत शिरोमणि रोहिदास महाराज 15 वीं से 16 शताब्दी के दरम्यान भक्ति आंदोलन चलाने वाले भारतीय रहस्यवादी कवि थे।संत शिरोमणि रोहिदास महाराज के भक्ति गीतों का भक्ति आंदोलन ने पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में गुरु (शिक्षक) का स्थायी रूप से प्रभाव पड़ा । वह एक कवि-संत, समाज सुधारक और एक आध्यात्मिक व्यक्तित्व थे। ऐसे महापुरुष की जयंती जिला परिषद कार्यालय में मनाई गई। इस अवसर पर परियोजना संचालक डॉ. रूपाली सातपुते, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी, परियोजना संचालक जल जीवन मिशन अतुल पारसकर, प्राथमिक शिक्षा अधिकारी सोनाली मातेकर के अलावा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

'हमारे प्राण जुगल बिहारी' पुस्तक का लोकार्पण

मुंबई। श्री अजय धूत द्वारा लिखित पुस्तक हमारे प्राण जुगल बिहारी का लोकार्पण समारोह मुंबई के प्रतिष्ठित यशवंतराव चव्हाण हॉल में संपन्न हुआ। इस पुस्तक का लोकार्पण प्रसिद्ध वैष्णव संत, वक्ता और वैदिक ज्ञान के विद्वान श्री पुंडरिक गोस्वामी जी महाराज के कर कमलों द्वारा किया गया। यह पुस्तक भागवत प्रेमी और जुगल बिहारी जी के परम भक्त, मुंबई के प्रसिद्ध व्यापारी श्री अजय धूत की अनमोल रचना है। श्री अजय धूत की यह दूसरी पुस्तक है। इससे पहले उनकी पुस्तक मन के मोती प्रकाशित हो चुकी है, जिसे पाठकों द्वारा सराहा गया था। श्री अजय धूत द्वारा लिखित हमारे प्राण जुगल बिहारी न केवल एक धार्मिक रचना है, बल्कि इसमें अध्यात्मिक और सामाजिक मूल्यों का अद्भुत समावेश है। यह पुस्तक विशेष रूप से युवाओं को ध्यान में रखकर लिखी गई है, ताकि वे इन मूल्यों को समझकर अपने जीवन में संतुलन और अपने दायित्वों का बेहतर तरीके से निर्वहन कर सकें। श्री अजय धूत ने इस पुस्तक के माध्यम से यह संदेश दिया है कि संतों की सेवा और भगवान जुगल बिहारी की भक्ति जीवन को सार्थक बना सकती है। इस लोकार्पण समारोह की शोभा बढ़ाने के लिए परम पूजनीय संत श्री पुंडरिक गोस्वामी जी महाराज विशेष रूप से उपस्थित हुए। श्री गोस्वामी जी श्री मन माधव गौड़ीय पीठ की 38वीं पीढ़ी के उत्तराधिकारी हैं। उनकी हिंदू वैदिक ज्ञान पर असाधारण पकड़ और इसे आधुनिक संदर्भ में प्रस्तुत करने की अद्वितीय क्षमता ने उन्हें एक उत्कृष्ट वक्ता के रूप में ख्याति दिलाई है।

इसके साथ ही, श्री पुंडरिक गोस्वामी जी समाज सेवा के कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कई चिकित्सा शिविरों का नेतृत्व किया है, जहाँ जरूरतमंदों को निःशुल्क चिकित्सा सेवाएँ प्रदान की गईं। साथ ही, वह वंचित बच्चों को निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

कैरेटलेन ने सगाई की अंगूठियों का संग्रह लॉन्च किया

मुंबई। भारत के अग्रणी ओम्नीचैनल आभूषण ब्रांड, कैरेटलेन - ए टाटा प्रोडक्ट ने सगाई की अंगूठियों का नया संग्रह लॉन्च किया है, जिसे इसके कई रूपों में प्यार का जश्न मनाने के लिए तैयार किया गया है। इसका प्रचार अभियान शादी के प्रस्तावों के अक्सर-अनदेखे लेकिन गहरे भावनात्मक पहलूः शादी का प्रस्ताव रखने से पहले पुरुषों की घबराहट और आत्म-चिंतन - को दशार्ता है। एक संवेदनशील और विचारोत्तेजक कहानी के जरिये, यह फिल्म उनके करियर से लेकर उनके व्यक्तित्व तक पुरुषों के सामने आने वाले सामाजिक दबावों की पड़ताल करती है और आखिरकार सबसे महत्वपूर्ण सवाल पर ध्यान केंद्रित करती है और वह है - 'मुझसे शादी करोगी' ?इस संग्रह में सबसे प्रमुख है 73 फैसेट (पहलू) वाला कैरेटलेन गुलनारा सॉलिटेयर है जो चमक और कलात्मकता का प्रतीक है। ऐसे अनूठे तरीके से तराशा गया यह हीरा रोशनी के प्रतिबिंब को बढ़ाता है, बेजोड़ चमक प्रदान करता है और यह आपकी जैसी दुर्लभ और असाधारण प्रेम कहानी का प्रतीक बनाने के लिए एकदम सटीक विकल्प है।

कैरेटलेन ने विश्व में अपनी तरह के पहली बार किये गए नवोन्मेष, पोस्टकाड्र्स के साथ प्यार को व्यक्त करने के तरीके को भी पुनर्परिभाषित किया है, जिससे ग्राहक किसी भी अंगूठी में अपने दिल से निकली आवाज डिजिटल संदेश के रूप में एम्बेड कर सकते हैं। इस अंगूठी को पाने वाला हमेशा के लिए संजोई गई याद को फिर से जीने के लिए अंगूठी को स्कैन कर सकता है, जो इस खास पल को बेहद व्यक्तिगत बनाता है।सौमेन भौमिक, मुख्य कार्यकारी, कैरेटलेन ने कहा,३हमारा मानना है कि हर प्रेम कहानी अनूठी होती है और इसे समान रूप से अनोखे तरीके से मनाया जाना चाहिए।

सगाई संग्रह का शुभारंभ, विशेष 73- फैसेट वाले कैरेटलेन गुलनारा सॉलिटेयर से रेखांकित होता है और यह नवोन्मेषी डिजाइन और शानदार शिल्प कौशल की पेशकश करने के प्रति हमारे समर्पण को दशार्ता है। पोस्टकाड्र्स के साथ, हम सहजता से प्रौद्योगिकी का मेल भावना के साथ कर रहे हैं और ग्राहकों के अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण मौके का जश्न मनाने के तरीके को पुनर्परिभाषित करते हुए यह सुनिश्चित करते हैं कि हर कैरेटलेन हीरा प्यार और स्नेह का प्रतीक बन जाए। कैरेटलेन का सगाई संग्रह सभी के लिए कुछ न कुछ पेश करने के वादे पर बनाया गया है।

कालातीत सॉलिटेयर से लेकर किफायती प्रीसेट डिजाइन तक, यह संग्रह सभी के लिए सटीक सगाई की अंगूठी खोजने के सपने को सुलभ बनाता है। इस संग्रह में 400 से ज्यादा डिजाइन हैं ग्राहक सावधानीपूर्वक तैयार की गई इन अंगूठियों में से चुनाव कर सकते हैं। ये अंगूठियां प्यार और व्यक्तित्व को दशार्ती हैं।

पवार के साथ अच्छे संबंधों का आनंद लें, उनसे किसी गुगली का सामना नहीं करना पड़ेगा: एकनाथ शिंदे

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह उनसे सीखने वाली बात है कि राजनीतिक क्षेत्र से परे जाकर अच्छे संबंध कैसे बनाकर रखे जा सकते हैं।

शिंदे यहां होने वाले 98वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन के उपलक्ष्य में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मौजूदगी में पवार द्वारा महादजी शिंदे राष्ट्र गौरव पुरस्कार से सम्मानित किए जाने के बाद बोल रहे थे।

उन्होंने कहा, पवार गुगली गेंदें भी फेंकते हैं, जिन्हें समझना मुश्किल होता है। मेरे पवार के साथ अच्छे संबंध हैं, लेकिन उन्होंने मुझे कभी गुगली नहीं फेंकी। मुझे पूरा भरोसा है कि वह भविष्य में भी मुझे गुगली नहीं फेंकेंगे।

शिंदे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह महाराष्ट्र के साथ चट्टान की तरह खड़े हैं, जिससे ढाई साल की कम अवधि में राज्य में विकास कार्य सुनिश्चित हुए। उन्होंने कहा कि पवार महाराष्ट्र में इतने कम समय में हुए विकास कार्यों के भी गवाह रहे हैं।

शिंदे ने कहा, वह (पवार) मुझे अक्सर फोन करते हैं। किसी को पवार से सीखना होगा कि राजनीतिक सीमाओं से परे जाकर रिश्ते कैसे बनाकर रखे जाते हैं। यहां तालकटोरा स्टेडियम में 98वां अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन 21 से 23 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। पवार सम्मेलन की स्वागत समिति के अध्यक्ष हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जोनल अध्यक्ष विनय जायसवाल ने जौनपुर जक्शन रेलवे अंडर बाईपास सुरंग का किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रेलवे उपभोक्ता फोरम उत्तर रेलवे के जोनल अध्यक्ष विनय जायसवाल ने रसूलाबाद मिल चौराहा से शीतला धाम चौकियाँ को जाने वाली सुरंग का निरीक्षण किया। सुरंग में लाइट की व्यवस्था नहीं होने के कारण गहरी नाराजगी जताई। तत्काल उन्होंने रेलवे के जेई से एवं नगर पालिका अध्यक्ष जौनपुर से बात की और सुरंग में जल्द से जल्द लाइट लगवाने के लिए निर्देशित किया। जिससे आम जनमानस को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े ' उत्तर रेलवे के जोनल अध्यक्ष विनय जायसवाल ने बताया कि सुरंग में लाइट की व्यवस्था न होने के कारण यात्रियों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।आए दिन अधिक संख्या में लोग इस सुरंग से होकर गुजरते हैं। सुरंग में अंधेरा होने के कारण लोग गिर जा रहे हैं,लोगों को गंभीर चोट आ जा रही हैं। डकैती,हत्या,लूट जैसी घटनाएं होने की आशंका हमेशा इस सुरंग से जाने आने वाले राहगीरों के लिए बनी रहती है ' हम लोग जनता के सेवक है जनता के लिए ही दिन-रात काम करते हैं। इस अवसर पर चंद्रेश जायसवाल, अनिल वर्मा, विपिन चौरसिया, राम रतन सेठ, बृजेश, रोहित शर्मा, अभिषेक सेठ, संतोष शर्मा, विपिन मौर्य,आलोक रंजन, इत्यादि लोग भारी मात्रा में मौजूद रहे।

बसपा सुप्रीमो का एक्शनः आकाश आनंद के ससुर डा. अशोक सिद्धार्थ पार्टी से निष्कासित

लखनऊ(उत्तरशक्ति) ।बसपा सुप्रीमो मायावती ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गुटबाजी और पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहने के आरोप में आकाश आनंद के ससुर डॉ.अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। राज्यसभा के पूर्व सांसद डॉ. अशोक सिद्धार्थ की बेटी से आकाश आनंद की शादी हुई है। डॉ. अशोक सिद्धार्थ के पिता बसपा संस्थापक कांशीराम के सहयोगी रहे हैं। सोशल मीडिया साइट एक्स पर मायावती ने कहा कि बसपा की ओर से खासकर दक्षिणी राज्यों के प्रभारी रहे डॉ. अशोक सिद्धार्थ पूर्व सांसद व नितिन सिंह जिला मेरठ को, चेतावनी के बावजूद भी गुटबाजी आदि की पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के कारण पार्टी के हित में तत्काल प्रभाव से निष्कासित किया जाता है। मायावती के इस निर्णय को दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद पार्टी नेताओं को सख्त संदेश देने के रूप में देखा जा रहा है। बता दें कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में बसपा ने जहां पर भी प्रत्याशी खड़े किये थे वहां पर जमानत जब्त हो गई। डॉ. अशोक सिद्धार्थ मायावती के काफी नजदीकी माने जाते थे और उनके पास पार्टी की कई बड़ी जिम्मेदारियां थीं।

ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभा की कमी नहीं निखारने की जरूरतः डीएम

महराजगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के एबीएस इंटर नेशनल स्कूल पर बुधवार को आयोजित सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।ऐसे में विद्यालय के चेयरमैन ने अंग वस्त्रम व बूके देकर सम्मानित किया। बतौर मुख्य अतिथि जौनपुर जिलाधिकारी डॉ.दिनेश सिंह ने कहा ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में भी प्रतिभा छुपी हुई है। जिसे निखारने की जरूरत है।शिक्षक और परिजन और बच्चों को शिक्षा देने के लिए आगे बढ़े। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा जेईई मेंस परिक्षा में 99.8333 अंक प्राप्त करने वाले छात्र विवेक कुमार गुप्ता पुत्र दिनेश गुप्ता को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।मौके पर विद्यालय चेयर मैन संजय सिंह,बदलापुर उपजिलाधिकारी योगिता सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी गोरखनाथ पटेल,डायरेक्टर सतीश सिंह,विवेक श्रीवास्तव, कंचन सहित गणमान्य लोग रहे।

बारात से फोटोग्राफर की बाइक चोरी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। केराकत क्षेत्र के छितौना गांव निवासी नवनीत कुमार की बाइक उस समय गायब हो गई जब पड़ोसी गांव नदौली (चैरसिया बस्ती) में मंगलवार की रात एक शादी समारोह में फोटो ग्राफी करने गया था। फोटोग्राफी होने के बाद जब नवनीत जहां वहान खड़ा किया था वहां पहुंचा तो बाइक गायब देख पैरो तले से जमीन खिसक गई। आस-पास काफी खोजबीन की गई मगर कही कोई पता नहीं चल सका। भुक्तभोगी मायूस होकर घर पहुंच परिजनों को आपबीती बताई। फलस्वरूप बुधवार की सुबह कोतवाली पहुंच की पत्नी बबिता कुमारी ने अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई। तहरीर के आधार पर खोजबीन शुरू कर दी है। नवनीत कुमार ने बताया कि खोई हुई बाइक मेरी पत्नी बबिता कुमारी के नाम पर है।

पुलिस ने चोरी के सामान साथ 03 महिलाओं को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा अपराध व अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे ।अभियान में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेन्द्र कुमार सिंह एवं क्षेत्राधिकारी मछलीशहर जौनपुर परमानन्द कुशवाहा के निकट पर्यवेक्षण में तथा थानाध्यक्ष मछलीशहर जौनपुर त्रिवेणी सिंह के नेतृत्व में आज दिनांक 12.02.2025 को थाना मछलीशहर पुलिस द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर थाना स्थानीय के मु0अ0सं0 42/2025 धारा 303(2)/317(2)) बी0एन0एस0 पराहित मोड के पास चोरी किये गये जेवरात के साथ अभियुक्तगण 1. मेहनाज पत्नी स्व0 गुड्डू नि0 बरामनपुर थाना केराकत जौनपुर उम्र करीब 40 वर्ष 2. शकीना पत्नी राजू उर्फ नेता नि0 बरामनपुर झमका थाना केराकत जौनपुर उम्र 35 वर्ष 3. रेहनाज उर्फ पुट्टी पत्नी निजामुद्दीन नि0 झमका ब्राम्हणपुर थाना केराकत जौनपुर को आज समय करीब 09.20 बजे गिरफ्तार किया गया। आवश्यक कार्यवाही उपरान्त अभियुक्तागणो को न्यायालय रवाना किया जा रहा है ।

सरायख्वाजा पुलिस द्वारा वांछित 02 अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सरायख्वाजा पुलिस द्वारा चोरी के मुकदमा में वांछित 02 अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार।पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण में थाना सरायख्वाजा पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0- 83/25 अंतर्गत धारा 303(2),इठर थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर से सम्बन्धित वांछित अभियुक्तगण मटरु नट पुत्र गुड्डू नट निवासी ग्राम सहदाऊदपुर उर्फ ककोरगहना (नट बस्ती) थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर उम्र करीब 19 वर्ष, पाणे नट पुत्र रफीक नट निवासी ग्राम सहदाऊदपुर उर्फ ककोरगहना (नट बस्ती) थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर उम्र 20 वर्ष को आज दिनांक 12.02.2025 को गिरफ्तार किया गया। आवश्यक विधिक कार्यवाही कर अभियुक्तगण उपरोक्त को न्यायालय के समक्ष भेजा गया।

वाराणसी में बाबा के दर्शन से पहले तीन श्रद्धालुओं सहित चार की मौत, कतार में ही हो गए थे बेहाश

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। में काशी विश्वनाथ मंदिर के गेट नंबर चार पर उस वक्त हड़कंप मच गया जब तीन श्रद्धालु अचेत होकर गिर पड़े और कुछ ही देर बाद उनकी मौत हो गई। उन्हें मंडलीय अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। इसके अलावा कैंट रेलवे स्टेशन पर भी तबीयत बिगड़ने से बिहार के एक व्यक्ति की मौत हो गई। परिजन इनकी लाश को लेकर अपने-अपने घर चले गए। जानकारी के अनुसार, श्रद्धालु महाकुंभ से काशी में बाबा विश्वनाथ का दर्शन-पूजन करने आए थे। पोस्टमार्टम करवाने से परिजनों

ने इन्कार कर दिया था। जिससे मौत के कारण का पता नहीं चला सका। इनमें सिर्फ सिलीगुड़ी के निवासी एक व्यक्ति का अंतिम संस्कार हरिश्चंद्र घाट पर किया गया। मृतकों में बिहार के छपरा निवासी संजय कुमार (43) सिलीगुड़ी (पंश्चिम बंगाल) निवासी (54) और दिल्ली निवासी शक्ति माथुर (63) शामिल रहे। बताया जा रहा है कि दोपहर बाद श्रद्धालु करतारबद्ध होकर बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए पहुंच थे। उनके गिरते ही परिजन भी हैरान हो गए कि आखिर क्या हो गया? सूचना पाकर मंदिर के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। चेहरे पर पानी मारकर होश में लाने की कोशिश की गई लेकिन कुछ आवाज नहीं आ रही थी। त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी को मंडलीय अस्पताल भेजा गया, जहां डाक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, कैंट रेलवे स्टेशन पर मुजफ्फरपुर (बिहार) के निवासी विजैन सेन की हालत खराब होने पर उन्हें अस्पताल भेजा गया। यहां डाक्टरों ने उन्हें भी मृत घोषित कर दिया। इनमें किसी का भी पोस्टमार्टम नहीं किया गया।

बदलापुर थाना प्रभारी पर लगा 5 लाख रु मांगने का आरोप

*** कॉलेज प्रबंधक का आरोप पैसा न देने पर झूठे मुकदमे में फसाने की दी जा रही धमकी**

*** लगाए हुए आरोपों की होगी गहनता से जांच: क्षेत्राधिकारी बदलापुर**

बदलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर थाना क्षेत्र के भलुवाही निवासी संजय सिंह गुड्डू ने बदलापुर थाना प्रभारी गजानंद चौबे पर आरोप लगाया है कि 13/14 जनवरी 2025 की रात 12:10 बजे पीड़ित अपने जौनपुर नगर के तारापुर कालोनी आवास पर सो रहा था। कि इतने में बदलापुर थाना प्रभारी गजानन्द चौबे करीब सात-आठ पुलिस वालो के साथ पीड़ित के मकान पर आकर गेट तोड़ने लगे भद्दी-भद्दी गाली देते हुए जोर-जोर से पीटना शुरू कर दिया। आवाज सुनकर संजय सिंह ने गेट खोला तो थाना प्रभारी बदलापुर देखते ही गाली देने लगे बोले तुमको उक्त मुकदमें में मुल्जिम बना दूंगा। संजय सिंह की पत्नी मीरा सिंह भी घर के बाहर निकली तो उनको भी अपमानित करते हुए भद्दी-भद्दी गाली दी गई और कहा कि सुधीर सिंह उर्फ सुड्डू को हाजिर करो नहीं तो ठीक नहीं होगा। पीड़ित का आरोप है कि थाना प्रभारी बोले तुम्ही को पकड़कर पैर में गोली मारकर मुल्जिम बना दूंगा पीड़ित ने थाना प्रभारी से कहा मैं परिवार से काफी सालों से अलग हूँ मुझसे मतलब नहीं है। काफी देर तक परेशान करने का भी पीड़ित ने आरोप लगाया है पीड़ित का कथन है कि वह पिछले 35 वर्षों से तारापुर कालोनी जौनपुर में रह रहा है। पुलिस कभी उसके घर नहीं आई लेकिन 13 और 14 जनवरी सन 2025 को अचानक पुलिस रात में आकर पीड़ित की मान मयार्दा को समाप्त कर दिया। पीड़ित का कथन है कि उसके घर पर सी०सी०टी०वी० कैमरा लगा है, सारे साक्ष्य उपलब्ध है। पुलिस घर में जबरदस्ती घुसकर तलाशी लेने लगी, पीड़ित ने प्रशासन से मांग की है। थाना प्रभारी बदलापुर व उनकी टीम के विरूद्ध जांच कर-के उचित कार्यवाही की जाए। इस सम्बन्ध में क्षेत्राधिकारी प्रतिमा वर्मा ने बताया कि थाना प्रभारी पर लगाए गए आरोपों की गहनता से जांच की जाएगी,और दोषी पाए जाने पर कार्यवाही की जाएगी।

कक्षा 10 के विद्यार्थियों को दी गई भावभीनी विदाई

-वसीम अहमद खान

कादीपुर, सुल्तानपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के अल्फारुक पब्लिक स्कूल में कक्षा 10 के विद्यार्थियों के लिए एक भावनात्मक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूल के शिक्षकों, प्रधानाचार्य और विद्यार्थियों ने मिलकर छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। समारोह की शुरूआत कक्षा 10 की छात्रा नेहा खान फीता काटकर किया। उसके बाद कक्षा 9 के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जिसमें नृत्य, गीत और कविता पाठ शामिल थे। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को उनकी मेहनत और समर्पण के लिए सराहा और उन्हें आगे की चुनौतियों के लिए तैयार रहने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम की अगली कड़ी प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन सेरेमनी में कक्षा 10 की होनहार छात्रा नेहा खान और छात्र शेख मोहम्मद अतहर को स्टूडेंट्स ऑफ द ईयर चुना गया। निखत बेस्ट एक्टिविटी, उत्कर्ष शुक्ला बेस्ट क्लीनलाइनेस, शेख मोहम्मद अतहर बेस्ट एटेंडेंस के लिए चुना गया। समस्त चयनित प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी गणित अध्यापक बेस्ट टीचर अवार्ड 2025 उपलब्धि अर्जित करने में सफल रहे। को विद्यालय के प्रधानाचार्य ने ट्रॉफी दे कर सम्मानित किया। बेस्ट टीचर अवार्ड से सम्मानित बसंत कुमार मिश्रा ने काफी भावुक मुद्रा में दिखे। अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि कठिशन परिश्रम और अनुशासन से सपनों को साकार किया जा सकता है। सही दिशा में किया गया प्रयास काफी असफल नहीं होता। परीक्षा अच्छे अंक अर्जित करने के लिए कक्षा 10 के छात्रों को टिप्स हुए जीवन में अनुशासन और मेहनत का महत्व समझाया। कक्षा 10 के छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए और स्कूल से जुड़ी अपनी यादों को ताजा किया। समारोह का समापन विदाई संदेश और उपहार वितरण के साथ हुआ। विद्यालय परिवार ने सभी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की और इस भावुक माहौल में सभी की आँखें नम हो गईं। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य वसीम अहमद खान सभी आगंतुकों व अध्यापकों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कोऑर्डिनेटर सुधीश कुमार सिंह , प्रोग्राम एक्टिविस्ट जमीर अहमद , एडमिन साधना सिंह, माला सिंह , संजू देवी, सुषमा यादव, जेबा खान, रफिया खान, मरियम खान, तबस्सुम, रिंकी मौर्या, पवन कुमार, सुनील कुमार आदि उपस्थित रहे।

सेंड जॉर्ज पब्लिक स्कूल का दसवां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के फैजाबाद रोड स्थित सेंट जॉर्ज पब्लिक स्कूल का दसवां वार्षिकोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश जौनपुर के जिला अध्यक्ष संजय अस्थाना द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक एवं रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया।मुख्य अतिथि संजय अस्थाना ने कहा कि बच्चे ही देश के भविष्य हैं विद्यालयों में वार्षिक उत्सव होने से बच्चों की प्रतिभा निखर कर सामने आती है कौन बच्चा कितना टैलेंट है उससे पता चलता है कार्यक्रम को मुख्य रूप से विक्रम सिंह राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला सहसंयोजक अभिषेक सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुये उन्होंने कहा कि वार्षिकोत्सव कार्यक्रम से बच्चों की प्रतिभा झलकती है और बच्चों में आगे बढ़ने का उत्साह रहता है कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि शाहगंज कोतवाली के कस्बा इंचार्ज प्रद्युम्न मणि त्रिपाठी द्वारा बच्चों को प्रमाण पत्र एवं मेटल देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के डायरेक्टर चंचल कुमार जायसवाल ने आए हुए सभी आगंतुओं के प्रति आभार व्यक्त किया कार्यक्रम का संचालन शैलेश नाग दने किया।

लायंस क्लब रॉयल ने वृद्धाश्रम में बिखेरी खुशियां, सेवा और सम्मान के साथ मनाई वर्षगांठ

संस्कारों की रोशनी में वृद्धजन का सम्मान सर्वोपरि मधुसूदन बैंकर

-अभिताश गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाज सेवा के क्षेत्र में हमेशा अग्रणी रहने वाली संस्था लायंस क्लब जौनपुर रॉयल ने मंगलवार को अपने संस्थापक सदस्य आनंद साहू और श्वेता साहू की वैवाहिक वर्षगांठ को एक विशेष रूप में मनाया। इस अवसर को अनोखा बनाने के लिए क्लब के सदस्यों ने नगर के सुक्खीपुर स्थित वृद्धाश्रम का दौरा किया और वहां निवासरत बुजुर्गों के साथ खुशियां साझा कीं। क्लब के सदस्यों ने वृद्धाश्रम में निवासरत महिलाओं को साड़ी और पुरूषों को अंगवस्त्रम भेंट किए और उनके साथ मिलकर केक काटा, जिससे वृद्धाश्रम का माहौल उल्लास से भर गया। इस कार्यक्रम के दौरान लायंस क्लब जौनपुर रॉयल के अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर ने कहा,हमारी संस्कृति हमें सिखाती है कि वृद्धजन उपेक्षा नहीं, बल्कि सम्मान के पात्र हैं। हमें अपने संस्कारों को भूलना नहीं चाहिए और अपने माता-पिता व बुजुर्गों की सेवा को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाना चाहिए। संस्थापक अध्यक्ष अजय गुप्ता ने कहा अभागे हैं वे लोग जो अपने माता-पिता को वृद्धाश्रम में छोड़ देते हैं। माता-पिता हमारे लिए संजीवनी के समान होते हैं,उनका तिरस्कार करना हमारे संस्कारों के विरुद्ध है! कार्यक्रम संयोजक आनंद साहू और श्वेता साहू ने बुजुर्गों के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए कहा आप सभी का आशीर्वाद हमारे लिए अनमोल है। हमें हमेशा अपने बड़े-बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए और उनकी सेवा करनी चाहिए। क्लब के उपाध्यक्ष संजीव साहू और कोषाध्यक्ष राजेश किशोर श्रीवास्तव ने आश्वस्त किया कि,क्लब हमेशा जरूरतमंदों की सहायता और सेवा के लिए तत्पर रहेगा। समाज के कम भाग्यशाली लोगों की मदद करना ही हमारी प्राथमिकता है! इस मौके पर क्लब की प्रथम महिला रेनू बैंकर, श्वेता साहू, विभा साहू, ममता साहूऔर शिल्पी साहू ने सभी महिलाओं को साड़ी भेंट की, जबकि पुरुषों को अंगवस्त्रम प्रदान किया गया। नए वस्त्र पाकर बुजुर्गों के चेहरों पर जो प्रसन्नता आई, उसने सभी को भावुक कर दिया। वृद्धजनों ने भी क्लब के सदस्यों को भरपूर आशीर्वाद दिया और इस आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम के अन्त में आनंद साहू और श्वेता साहू की वैवाहिक वर्षगांठ का जश्न भी वृद्धजनों के साथ मनाया गया। वृद्धाश्रम में ही केक काटकर इस पल को यादगार बनाया गया। इसके बाद क्लब सदस्यों ने वृद्धजनों के साथ बैठकर समोसा और मिष्ठान ग्रहण किया, जिससे सभी को घर जैसा सुखद अनुभव हुआ। इस विशेष सेवा कार्य में क्लब के कई सदस्य मनोज साहू , राजेंद्र स्वर्णकार,नवीन साहू, ज्ञानेंद्र साहू, अजयनाथ

ओपन स्टेट आमंत्रण सीनियर महिला कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति) ।खेल निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ के निर्देश के क्रम में जिला खेल कार्यालय, सीतापुर के तत्वावधान में ओपन स्टेट आमंत्रण सीनियर महिला कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 18 से 20 फरवरी, 2025 तक स्पोर्ट स्टेडियम सीतापुर में किया जा रहा है तथा जिला खेल कार्यालय, गाजीपुर के तत्वावधान में ओपन स्टेट आमंत्रण सीनियर महिला कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 26 से 28 फरवरी, 2025 तक नेहरू स्पोर्ट स्टेडियम गोराबाजार, गाजीपुर में किया जा रहा है ।उक्त के क्रम में जनपद जौनपुर की सीनियर महिला कबड्डी खिलाड़ियों का जनपदीय चयन परीक्षण 15 फरवरी 2025 को पूर्वान्ह 10.00 बजे से इन्दिरा गांधी स्टेडियम सिद्दीकपुर में किया जायेगा। जनपद स्तर पर चयनित महिला कबड्डी खिलाड़ी ही प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगी। इच्छुक खिलाड़ी श्री कन्हैया सिंह यादव, अंशकालिक मानदेय कबड्डी प्रशिक्षक से सम्पर्क कर, प्रतिभाग कर सकती हैं। उक्त जानकारी उप क्रीड़ा अधिकारी चन्दन सिंह ने दी है।

दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा आयोजित ट्राईसाइकिल एवं अन्य सहायक उपकरण का वितरण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 12 फरवरी 2025 को विधायक विधान सभा मडियाहूँ, आर०के० पटेल द्वारा विकास खण्ड-रामनगर के परिसर में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा आयोजित ट्राईसाइकिल एवं अन्य सहायक उपकरण का वितरण, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी दिव्या शुक्ला एवं खण्ड विकास अधिकारी रेनू चौधरी की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर विधायक द्वारा कुल 68 ट्राईसाइकिल, 07 स्मार्टकेन, 02 हियरिंग एड, 02 व्हीलचेयर, 07 स्मार्टकेन का वितरण किया गया। इस दौरान विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्रीजी और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में दिव्यांग जनों के हितार्थ अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं और उनको लाभान्वित भी किया जा रहा है। उन्होंने विशेष रूप से दिव्यांग जनों के लिए कोकलियर इंप्लांट योजना,आवास योजना व पेंशन की योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने महान वैज्ञानिक स्टीफन हॉकिंस के दिव्यांग होते हुए भी सभी बाधाओं को पार करते हुए विज्ञान के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए कार्यों तथा उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी दिव्या शुक्ला द्वारा विभागीय योजनाओं के विषय में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। खंड विकास अधिकारी रेनू चौधरी द्वारा विकासखंड पर चला दिव्यांग जनों के लिए चलाए जा रहे योजनाओं को बताया। इस अवसर पर दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के कर्मचारियों एवं विकास खण्ड के कर्मचारियों द्वारा पूर्ण सहयोग किया गया। कार्यक्रम का संचालन रत्नेश कुमार सिंह, सहायक विकास अधिकारी सहकारिता द्वारा किया गया।

दबंगों ने महिला को बुरी तरह मारपीट कर किया घायल, मोबाइल व गहना छिनने का आरोप

रियाजुल हक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के बरपुर मई गांव में एक महिला को बेरहमी से पीटा गया। पीड़ित महिलाएं चीख-चीखकर रहम की गुहार लगाती रहीं, लेकिन दबंगों का दिल नहीं पसीजा। गांव की निवासी साफिया बानो अपनी वृद्ध सास के साथ खेत में घास काट कर रही थीं। उसी समय पड़ोसी गफ्फार खेत पर पहुंच गया। जब साफिया और उसकी सास ने इसका विरोध किया। तो गफ्फार ने अपनी दबंगो को बुलाकर गाली-गलौज शुरू कर दी और मारपीट पर उतर आए। दबंगों ने मारपीट की हदें की पार दबंगों ने महिला को जमीन पर बाल पकड़कर घसीटा और बुरी तरह पीटा। मारपीट के दौरान उसके कपड़े फाड़ दिए गए और पैर तोड़ दिया जिसका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है पीड़िता ने मोबाइल व गहना छिनने का लगाया आरोप, पुलिस जांच में जुटी पीड़ित महिला ने आरोप लगाया है कि उसका मोबाइल व गहना भी घटना के बाद से गायब है। और इसके पहले भी तकरीबन 3 से 4 महीने पहले भी दबंगों ने मारपीट की थी जिसकी शिकायत पीड़िता व उसके परिवार के लोगों ने बक्शा थाना पर की थी लेकिन पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई थी। पीड़िता ने लगाई न्याय की गुहार परेशान विवाहिता साफिया अपने परिवारजनो के साथ बक्शा थाने पहुंची और न्याय की गुहार लगाई। साफिया ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। लोग आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और जल्द ही कार्रवाई की उम्मीद है। बक्शा थानाध्यक्ष का कथन इस सम्बन्ध में बक्शा थानाध्यक्ष ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर दिया गया है महिला को मेडिकल के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

मत्स्य विभाग ने आगामी दस वर्ष के लिये दिए विभिन्न जलाशयों के टेंडर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिला मत्स्य अधिकारी शाहिद जमाल ने बताया कि 5 फरवरी 2025 को मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सात जलाशयो की निविदा प्राप्त हुई है ।11 जलाशयों की निविदा के लिए सूचना जारी की गई थी ।जिसमे सबसे अधिक बोली पर बादशाही जलाशय खेतासराय का टेंडर मेराज अहमद ने प्राप्त किया। श्री जमाल ने बताया कि 5 फरवरी को निविदा आमंत्रित की गई थी जो शासनादेश 28/2023/756 सत्रह म 17/1099/63/2022 दिनांक 25/09/2023 में निहित शर्तों के अनुरूप और 10 जनवरी 2025 को निविदा समिति की बैठक कार्यवृत्त के अनुसार जिले के 11 जलाशय रोहुआ ताल, बादशाही, संघल,बदायूं, रेहटी,आदमपुर,मिजार्पुर, मल्हनी, हिदरहिया, मैनीपुर, सुन्दरकोइरी की थी जिनमें विभिन्न 7 जलाशयों की निविदा विभाग को प्राप्त हुई है उन्हें दस वर्ष के लिए यानि 30 जून 2035 तक के लिए दी गई है। सबसे ज्यादा बोली पर टेंडर प्राप्त करने वाले मेराज अहमद ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि इस सरकार में बिल्कुल पारदर्शी कार्य हो रहा है किसी तरह का कोई भेद भाव नही हो रहा है में नियम व कानून के हिसाब से कार्य करूँगा।

वर्ष के सबसे नवोन्वेषी शिक्षक₹ पुरस्कार से सम्मानित हुए विशाल सेठ

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कोटा प्वाइंट कोचिंग जौनपुर के निदेशक विशाल सेठ को सीखने के अनुभव को बदलने में उनकी असाधारण रचनात्मकता और समर्पण के लिए ₹वर्ष के सबसे नवोन्वेषी शिक्षक₹ पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। सेंट पॉल स्कूल गोरखपुर में दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय (डीडीयूजीयू) की कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन द्वारा सम्मानित किया गया।

रत्नाकर चौबे बने ब्राह्मण संगठन के जिला अध्यक्ष

महराजगंज ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के ढेमा गांव में रविंद्र मिश्र के यहां अखिल भारतीय ब्राह्मण महा सभा रा. की एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पं. श्रीपति उपाध्याय द्वारा बिशुनपुर मझवारा सिरकोनी निवासी रत्नाकर चौबे को जिला अध्यक्ष मनोनीत कर प्रमाण पत्र दिया गया वही डॉ. ज्ञान प्रकाश मिश्र को मुख्य संरक्षक अतिरिक्त प्रभार जौनपुर व अनिरूद्ध तिवारी को बदलापुर ब्लॉक उपाध्यक्ष बनाया गया। वही यह जिम्मेदारी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष यूपी रत्न पं. राजेंद्र नाथ त्रिपाठी के दिशा निर्देश पर संगठन को मजबूत बनाने के लिए नए पदाधिकारी नियुक्त किए गए। इस मौके पर रामदयाल द्विवेदी, अजय त्रिपाठी, रामकृष्ण त्रिपाठी, राम त्रिपाठी, कैलाश शुक्ला, कृष्णा उपाध्याय, रमापति मिश्रा, माताफेर मिश्र, महेंद्र उपाध्याय, अमितेंद्र तिवारी, अरविंद मिश्र ब्लॉक अध्यक्ष महराजगंज, चक्रपति उपाध्याय, रामसहाय पाण्डेय, शशिकांत पाठक, उदयभान पाण्डेय, अनुज कुमार मिश्रा सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

हनुमान मंदिर में प्रेमी जोड़े ने रचाई शादी

धर्मेंद्र कुमार शर्मा

बदलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील में स्थित हनुमान मंदिर में एक प्रेमी जोड़े ने प्रेम विवाह रचाया,जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक महराजगंज के कोल्हूआ गांव की सुमन हरिजन और राजस्थान के अलवर निवासी जनार्दन ने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर कर एक दूसरे को वर माला पहनकर शादी रचाई। इस दौरान तहसील के कुछ अधिवक्ता भी मौजूद रहे। शादी की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में हैं। जिसमें दोनों एक-

भाजपा व्यापारी संगठन की ओर से बैठक आयोजित

वसई रोड। भारतीय जनता पार्टी व्यापारी संगठन की ओर से वसई के पीपी पैराडाइज हॉल में जिला उपाध्यक्ष मयूर सोनी द्वारा व्यापारी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में व्यापारियों को एमसीएक्स के माध्यम से आयात, निर्यात की प्रक्रिया और अन्य तकनीकी प्रक्रियाओं के साथ-साथ बाजार में पैसा लगाने के तरीके के बारे में बताया गया। उसके बाद जीएसटी के विषय पर पूरी तरह से चर्चा की गई और व्यापारियों की अधिकांश जिज्ञासाओं का समाधान सीए शीतल वागदर्गी के माध्यम से किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा जिला महामंत्री अभय कक्कड़, भाजपा व्यापार मंडल जिला महामंत्री नितिन पाठक, महामंत्री बीरू गौड़, उपाध्यक्ष चंद्रभान गुप्ता, उपाध्यक्ष राम भाई, सुरेश प्रजापति, उपाध्यक्ष अगम पांडे आदि उपस्थित रहे।

एचडीएफसी बैंक ने अनमोल सैलरी अकाउंट लॉन्च किया

पटना(उत्तरशक्ति)। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने साइबर फ्रॉड कवर के साथ भारत का पहला सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (पीएसयू) वेतन खाता - 'अनमोल बचत खाता' लॉन्च किया है। एचडीएफसी बैंक अपने बचत खाता उत्पाद में लगातार नवाचार कर रहा है। विभिन्न जरूरतों वाले विभिन्न ग्राहक वर्गों - वरिष्ठ नागरिकों, कामकाजी पेशेवरों, महिलाओं को लक्षित बचत खातों के 'स्पेशल' सूट के एक हिस्से के रूप में, एचडीएफसी बैंक वरिष्ठ नागरिकों को 1.5 लाख रुपए तक का साइबर फ्रॉड कवर प्रदान करता है, जबकि पेशेवरों के लिए साइबर फ्रॉड कवर 25,000-50,000 रुपए तक होता है। इसी तरह, 'स्पेशल गोल्ड वूमेन' खाता महिलाओं को 5 लाख रुपए तक का कैंसर कवर देता है। ग्राहकों को ओपीडी कवरेज के साथ व्यापक स्वास्थ्य कवर 30 लाख रुपए तक की टॉप अप योजना और 15 लाख रुपए से अधिक मूल्य के जीरो कॉस्ट दुर्घटना बीमा कवर का लाभ मिलेगा। विशेष ऑफर के साथ मुफ़्त प्लेटिनम डेबिट कार्ड और हर साल 8 कॉम्प्लीमेंट्री डोमेस्टिक एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस। महारत्न पीएसयू कर्मचारियों के लिए कंपनी की सीमा से ऊपर अनुपूरक / अतिरिक्त गृह ऋण। एचडीएफसी बैंक के कंट्री हेड (भुगतान, देयता उत्पाद, उपभोक्ता वित्त एवं विपणन) पराग राव ने कहा, "हमें पीएसयू कर्मचारियों के लिए देश का पहला साइबर कवर एकीकृत वेतन खाता शुरू करते हुए खुशी हो रही है।

एचआईएफ ने एफपीओ के साथ सहकारिता समझौता किया

पटना(उत्तरशक्ति)। होंडा इंडिया फाउंडेशन (एचआईएफ) ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ एक सहकारिता समझौता (एमओसी) किया है। इसके तहत प्रोजेक्ट अन्नदाता- सशक्त किसान, समृद्ध राष्ट्र की शुरूआत हुई, जिसका उद्देश्य राज्य में फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन (एफपीओ) को सहयोग देना और सशक्त बनाना है। यह प्रोजेक्ट एफपीओ के समग्र विकास पर केंद्रित है, जिसमें किसानों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना, उन्हें बाजार से बेहतर जोड़ना और कृषि क्षेत्र में टिकाऊ वृद्धि को बढ़ावा देना शामिल है। एमओसी पर हस्ताक्षर नई दिल्ली में हुए, जहां प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं, जिनमें उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और होंडा इंडिया फाउंडेशन के ट्रस्टी विनय ढींगरा और कातसुयुकी ओजावा शामिल थे। इस अवसर पर होंडा इंडिया फाउंडेशन के ट्रस्टी श्री विनय ढींगरा ने कहा,होंडा इंडिया फाउंडेशन में हम ग्रामीण समुदायों को सशक्त करने और कृषि की उत्पादकता बढ़ाने के लिये समर्पित हैं। यह बातें भारत सरकार की सोच के अनुसार तो हैं ही, 2025 के यूनियन बजट में भी दिखती हैं।

महाकुंभ में तैनात सिपाही के पिता की गर्दन रेतकर हत्या

मेरठ (उत्तरशक्ति)। महाकुंभ में तैनात पीएसी के सिपाही सचिन के पिता रवि शंकर (52) की गांव इकवारा में धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई। रवि शंकर खेतीबाड़ी करते थे।

हत्यारोपी उनके शव को घटनास्थल से करीब तीन किलोमीटर दूर लुकाधड़ी गांव के जंगल में एक रास्ते पर छोड़कर फरार हो गए। पिता की हत्या की सूचना पर सचिन प्रयागराज से वापस लौट रहा है।

रविदास जंयती पर काशी पहुंचे तीन लाख रैदासी

वाराणसी। संत शिरोमणि गुरु रविदास की जयंती बुधवार को उनकी जन्मस्थली सीरगोवर्धनपुर में मनाई जाएगी। गुरु चरणों का रज माथे लगाने के लिए रैदासियों की भीड़ उमड़ेगी। देश-विदेश से आए अनुयायी गुरु की बंदगी करेंगे। तीन लाख से अधिक अनुयायी संत रविदास के दर्शन करने पहुंचेंगे। इससे पहले जयंती की पूर्व संध्या पर मंगलवार की शाम 2100 दीपों से रविदास पार्क जगमगा उठा। संत निरंजन दासके प्रतिनिधि संत मनदीप दास ने संत प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। गोवर्धनपुर का पूरा इलाका करीब एक सप्ताह से गुरुवाणी से गूंज रहा है। मंगलवार को देर रात तक संत रविदास मंदिर में दर्शन के लिए कतार लगी रही। संगत के आने का सिलसिला रात तक चला। सीरगोवर्धन में रैदासियों के लिए रोटियां पकातीं महिलाएं। - फोटो : अमर उजाला सुबह मंदिर में संत रविदास मंदिर चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन संत निरंजन दास महाराज की अगुवाई में निशान ध्वज फहराया जाएगा। इसके साथ ही मेला शुरू हो जाएगा। सुबह से रात तक दर्शन के लिए अनुयायियों का रेला उमड़ा रहेगा। वहीं, भजन कीर्तन, सत्संग और लंगर का सिलसिला भी चलेगा। संत निरंजन दास ने सत्संग सभा स्थल जाकर तैयारियों का जायजा लिया। मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा, सीपी मोहित अग्रवाल, डीएम एस राजलिंगम ने जयंती पर रविदास मंदिर में होने वाले कार्यक्रम की

राजकीय सम्मान के साथ दफनाया गया सेना के जवान का शव

बहराइच (उत्तरशक्ति)। सड़क हादसे में मृत हुए मटेरा निवासी सेना के जवान अबरार को बुधवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। अंतिम यात्रा में राजपूताना रेजिमेंट के जवान समेत जिले के आला अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान गार्ड ऑफ ऑनर देकर सेना के जवान और उनके परिजनों को दफन किया गया। इस दौरान हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे। मटेरा थाना क्षेत्र के मटेरा चौराहा निवासी अबरार सेना में जवान थे और राजस्थान के उदयपुर में तैनात थे। मंगलवार की सुबह गुलाम हजरत (60) और बेटी हानिया (20 दिन) के इलाज के लिए कार से कमांड हॉस्पिटल लखनऊ जा रहे थे। इस दौरान कैसरगंज कोतवाली क्षेत्र में उनकी कार में डंपर ने टक्कर मार दी थी। हादसे में फौजी अबरार के साथ-साथ उनके पिता गुलाम हजरत, बेटी हानिया, मां फातिमा बेगम (56) और दोस्त चांद की मौत हो गई थी। वहीं पत्नी रुकैया बेगम (22) गंभीर रूप से घायल हो गई, जिनका इलाज जारी है। बुधवार की सुबह जिला सैनिक कल्याण अधिकारी रिटायर्ड कर्नल महेंद्र चंद्र ध्यानी, एसडीएम अंजनी यादव, सीओ प्रद्युम्न सिंह मृतक फौजी के घर मटेरा पहुंचे। वहीं फैजाबाद राजपूत रेजिमेंट के जवानो की टीम पहुंची।

माघी पूर्णिमा पर लाखों आस्थावानों ने गंगा में लगाई डुबकी

(उत्तरशक्ति)
वाराणसी। माघी पूर्णिमा पर बुधवार को गंगा के तट पर आस्थावानों का रेला उमड़ पड़ा। काशी के सभी घाटों पर जुटे पांच लाख लोगों ने पुण्य की डुबकी लगाई। जबकि इससे अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ धाम में दर्शन पूजन किए।

भोर से ही गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था, जो दिनभर चलता रहा। गंगा में आस्था की डुबकी लगाने के बाद हाथ में प्रसाद लिए भक्त बाबा विश्वनाथ की एक झलक पाने के लिए कतार में लगे रहे। मंदिर की ओर से जाने वाली गलियां हर हर महादेव के जयकारे से गूंजती रहीं। दर्शन पूजन के दौरान लोगों ने सुख और समृद्धि की कामना की।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। गंगा स्नान को लेकर मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु गंगा जल में निवास करते हैं। खासकर आश्लेषा नक्षत्र और आयुष्मान व सौभाग्य योग का संयोग होने से गंगा में पांच डुबकी लगाने का विशेष महत्व है। इसका संबंध पंच तत्वों से है। गंगा में पांच डुबकी लगाने से पुण्य फलदायी की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि माघी पूर्णिमा के दिन गंगा नदी में स्नान करने से व्यक्ति के सभी पाप धुल जाते हैं। पवित्रता और मोक्ष की प्राप्ति होती है। माघी पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान करने से अश्वमेध यज्ञ के समान फल मिलता है। धर्मग्रंथों और पुराणों के अनुसार सतयुग से लेकर कलियुग तक सभी युगों में माघ मास की पूर्णिमा का महत्व रहा है। क्योंकि, माघ मास में श्रीहरि जल में निवास करते हैं। इस मास की पूर्णिमा के दिन देवलोक से देवता भी पृथ्वी पर आकर पवित्र नदियों और संगम में स्नान करते हैं। माघी पूर्णिमा के दिन गंगा में पांच डुबकी लगाने का विशेष महत्व है। गंगा में पहली डुबकी लगाने से शरीर की शुद्धि होती है। दूसरी से मन की शुद्धि, तीसरी से कर्मों की शुद्धि, चौथी से विचारों की शुद्धि और पांचवीं डुबकी लगाने से आत्मा की शुद्धि होती है। इसका संबंध पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश यानी पंच तत्वों हैं।

आचार्य सत्येंद्र दास के निधन से अयोध्या के संत धमार्चार्य शोकाकुल

अयोध्या (उत्तरशक्ति)। श्री रामजन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास जी महाराज का साकेतवास हो गया। आज माघ पूर्णिमा के पवित्र दिन बुधवार प्रातः सात बजे के लगभग उन्होंने पीजीआई लखनऊ में अंतिम सांस ली। वे वर्ष 1992 से रामलला की सेवा पूजा कर रहे थे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट सहित अयोध्या धाम के संत धमार्चार्यों ने उनके निधन को अपूर्णीय क्षति बताया और कहा कि पुजारी जी ने लगभग 32 वर्ष के सेवाकाल में अनेक उतार चढ़ाव देखे हैं और प्रशासनिक व्यवस्था में मंदिर के अर्चक होने के कारण सहयोगी बने रहे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष मणिराम दास छावनी के महंत नृत्यगोपाल दास महाराज ने सत्येंद्र दास के निधन पर कहा कि यह नश्वर संसार है। सभी को एक दिन मुक्त होना है। धार्मिक जीवन मूल्यों के प्रति संवेदनशील सदपुरूष की मृत्यु नहीं होती। उनकी ओर से किए गए सद्कार्य उन्हें चिरकाल तक समाज के मस्तिष्क पर जीवंत रखते हैं। सत्येन्द्र दास जी ने संत परम्परा का सदैव ध्यान रखा। 1992 में श्रीराम लला के अर्चक का दायित्व ग्रहण कर अपनी निष्ठा समर्पित की। उनका साकेत गमन हम सभी के लिए पीड़ादाई है।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास ने कहा सत्येन्द्र दास जी हमारे पड़ोसी रहे। मंदिर की पूजन व्यवस्था के प्रति वह अपने कार्यकाल में सदैव संवेदनशील रहे। इन 30-31 वर्षों में वह हिंदू मुस्लिम समन्वय की चर्चा के केंद्र बिंदु बनते रहे। आज वह साकेतवासी हो गए, जिसके कारण अपार दुख हुआ है। श्रीराम लला उन्हे अपने चरणों में स्थान प्रदान करें।

भाजपा द्वारा सदस्यता अभियान का आयोजन

वसई विरार। वसई विरार भाजपा द्वारा सदस्यता अभियान, संघटन पर्व

भारतीय जनता पार्टी आमदार राजन नाईक, जिल्हा अध्यक्ष महेंद्र पाटील के नेतृत्व में कल्पना आशिष नागपुरे सोशल मीडिया सहसंजोजक ने 30 से ज्यादा जगह पर भाजपा सदस्यता अभियान कॅम्प लगाया। इस अभियान के तहत मतदान कार्ड, आयुष्मान भारत योजना, सीनियर सिटीजन, ज्योतिबा फुले कार्ड का आम जनता को लाभ प्राप्त हुआ। जिसमे कल्पना आशीष नागपुरे ने कहा सोशल मीडिया जैसे सक्षम कार्यकर्ता ग्राउंड लेवल पर काम करते हैं सभी कार्यकर्ता पदाधिकारी को भाजपा संगठन ने काम दिया है, वह पूरी जिम्मेदारी से करते हैं ।आखरी कैंप वृंदावन गार्डन नेमीनाथ बिल्डिंग में लगा था। जिसमें बहुत सारा लोगो ने अपना मतदान कार्ड, आयुष्यमान कार्ड, सीनियर सिटीजन कार्ड, ज्योतिबा फुले कार्ड बनवाया और जिसमें नाला सोपारा विधायक राजन नाइक, जिला उपाध्यक्ष मनोज बारोट, जिला महामंत्री अभय कक्कड़ ने भी मार्गदर्शन किया।

रविदास जंयती पर सीर गोवर्धन मंदिर में रैदासियों ने टेका मत्था

सुरेश गांधी
वाराणसी(उत्तरशक्ति)। संत शिरोमणी रविदास जंयती के मौके पर बुधवार को सीर गोवर्धन मंदिर में लाखों रैदासियों ने मत्था टेका। काशी व पूर्वांचल सहित देश-विदेश के लाखों अनुयायियों मंदिर पहुंचे। इस दौरान पूरे दिन जयकारे लगते रहे। प्रशासन भी सुरक्षा को लेकर काफी सतर्क रही। गुरु चरणों का रज माथे लगाने के लिए रैदासियों में होड़ लगी रही। पूरा गोवर्धनपुर का पूरा इलाका गुरुवाणी से गूंज रहा है। इसके पहले मंदिर में संत रविदास मंदिर चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन संत निरंजन दास महाराज की अगुवाई में निशान ध्वज फहराया गया। इसके साथ ही मेला का शुभारंभ हो गया। ?

सुबह से रात तक दर्शन के लिए अनुयायियों का रेला उमड़ता रहा। वहीं, भजन कीर्तन, सत्संग और

लंगर का सिलसिला भी चला। बता दें, संत रविदास के जन्मस्थल पर उनकी पांच निशानियां मौजूद हैं। उनकी हर निशानियां अलग-अलग कहानी है। ये निशानियां भक्ति आंदोलन को दशार्ती हैं। ऑल इंडिया आदिधर्म मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य भारत भूषण दास ने बताया कि संत रविदास की जन्म स्थली सीरगोवर्धन के अलावा मैदागिन, गुरु रविदास पंचायती चबूतरा कॉरिडोर चौक, कबीरचौरा, राजघाट, लहरतारा आदि इलाकों में भी उनसे जुड़े स्थल हैं। संत रविदास की निशानी देश के कई प्रांतों में मौजूद हैं।

मीराबाई संत रविदास से मिलने मैदागिन पहुंचीं थीं। गुरु ने उन्हें ज्ञान दीक्षा दी थी। तब मीराबाई ने कहा-गुरु मिले रविदास मैं सास घर न जाऊं, फिर वह उनकी शिष्या बन गई। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर के पास गुरु रविदास पंचायती चबूतरा था। संत रविदास के प्रभाव को रोकने और इस्लाम स्वीकार करने के लिए सिकंदर शाह लोदी ने अपने संदेशवाहक सदना को काशी में इसी स्थान पर भेजा था। यहां गुरु का संदेश सुनकर सदना खुद फकीर बन गया था। संत रविदास और कबीर दोनों गुरु रमानंद के शिष्य थे। वे कबीरचौरा पर बैठकी और सत्संग करते थे। लोगों को गुरु के संदेश और धर्म पर गहन चर्चा करते थे। इसी के बाद इस क्षेत्र का नाम कबीरचौरा पड़ गया।

कबीर की जन्मस्थली लहरतारा में भी संत रविदास ने तपस्या की थी।?तब यह पूरा इलाका जंगल था। संत रविदास जंगल में तपस्या कर रहे थे, तभी शिकारी से बचने के लिए हिरणी उनके पास आकर छिप गई थी।?शिकरी गुरु के भाव से नतमस्तक हो गया। संत रविदास ने राजघाट पर धर्म परीक्षा दी थी। काशी के कर्मकांडियों ने संत रविदास के पूजा करने पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने रविदास जी को चुनौती दी थी कि अगर आप पत्थर में भगवान को देखते हैं तो इसे गंगा में तैराकर दिखाए। उन्होंने राजघाट पर गंगा में पत्थर तैराकर दिखाया था।

एबीएस इंटरनेशनल स्कूल ने फिर लहराया परचम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महराजगंज,एबीएस इंटरनेशनल स्कूल के छात्र विवेक कुमार गुप्ता ने जेईई एंट्रेंस एग्जाम में 99.83 प्रतिशत अंक हासिल करके अपने माता पिता के साथ साथ स्कूल और क्षेत्र का भी नाम रोशन किया। विवेक कुमार गुप्ता ने बिना किसी कोचिंग संस्थान के ही यह सफलता हासिल की है। इसी लिए ये सफलता बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण है। स्कूल प्रबंधन से पता चला है कि विवेक शुरू से ही बहुत मेधावी छात्र रहा है। स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों ने भी बहुत विवेक का उत्साहवर्धन किया,स्कूल के चेयरमैन संजय सिंह ने बहुत ही शुभकामनाएं दी और कहा कि उनका ये सपना है कि क्षेत्र के बच्चे देश विदेश के कोने कोने में जाकर अपना परचम लहराते रहे। विद्यालय के चेयरमैन संजय अनिरुद्ध बहादुर सिंह ने कहा कि विवेक की यह सफलता उनकी मेहनत लगन और स्कूल द्वारा दी गयी बेहतर शिक्षा प्रणाली का परिणाम है। बच्चो के भविष्य को लेकर एबीएस इंटरनेशनल स्कूल सदैव प्रतिबद्ध है। स्कूल के कई अन्य छात्रों ने पहले भी ऐसी सफलताएं हासिल किया है। एबीएस इंटरनेशनल स्कूल ऐसी तमाम उपलब्धियों के साथ जिले के नंबर एक स्थान पर पहुंच गया है। विवेक की इस सफलता से सभी लोग उनके परिवार के लोग,स्कूल प्रबंधन और क्षेत्र के लोगों बहुत ही अधिक उत्साहित है हर्षित है। वरिष्ठ पत्रकार लाल शेखर सिंह ने बधाई देते हुए कहा कि ऐसे बच्चे समाज और देश के भविष्य हैं। मै उस बच्चे को हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

मानखुर्द में महाराज सुहेलदेव जी की 1016 वीं जयंती समारोह संपन्न

प्रेम चंद मिश्रा
मुंबई, मानखुर्द (उत्तरशक्ति)। राजभर समाज सेवा संघ महाराष्ट्र अपने महान राष्ट्रवीर शूरवीर, न्यायप्रिय भर व राजभर सम्राट कुलशिरोमणी, महाराजा सुहेलदेव राजभर जिन्होंने विदेशी आक्रांताओ से हिंदुस्तान की रक्षा की राजभर समाज सेवा संघ महाराष्ट्र के द्वारा राष्ट्रीवीर महाराजा सुहेलदेव राजभर जी की 1016 वीं जयंती समारोह एवं वार्षिक अधिवेशन का आयोजन

9 फरवरी 2025 दिन रविवार को मातोश्री विद्यामंदिर आगरवाडी, मानखुर्द मुंबई में दोपहर 2 बजे से किया गया था। मुख्य अतिथि के रूप में पुर्व सासंद राहुल शेवाले, विधायिका सनामलिक वरिष्ठ समाजसेवी डॉ पचंम राजभर, विधान परिषद सदस्य बिच्छेलाल राजभर, विधान परिषद सदस्य उत्तर प्रदेश प्रतिनिधि जय राजभर, नगरसेवक विठ्ठल लोकरे, शाखा प्रमुख रोहिदास ढेरंगे, शाखा प्रमुख सचिन, किरण सावंत, वरिष्ठ समाजसेवी डॉ भोलानाथ चौहान, इंजि नरेन्द्र राजभर, चंदभान राजभर, उमाशंकर राजभर, बलिराम राजभर, चंद्र केश राजभर, वरिष्ठ समाजसेवी रामचन्द्र राजभर और संगठन के पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सुखदेव राजभर, भानूप्रताप राजभर, सरोज कुमार राजभर, रामसूरत राजभर, चंदन राजभर, विरेन्द्र राजभर, सुनिल राजभर, गुलाब राजभर , नंदलाल राजभर, मनोज राजभर, राम आसरे राजभर, सुभाष राजभर, कमलेश राजभर, रमेश राजभर, साजन राजभर, गोरखनाथ राजभर, रिंकू राजभर और भारी संख्या में महिलाएं बच्चे उपस्थित थे।

रत्नाकर चौबे बने ब्राह्मण संगठन के जिला अध्यक्ष

लाल शेखर सिंह
जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज क्षेत्र के ढेमा गांव में रविंद्र मिश्र के यहां अखिल भारतीय ब्राह्मण महा सभा रा. की एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पं. श्रीपति उपाध्याय द्वारा बिशुनपुर मझवारा सिरकोनी निवासी रत्नाकर चौबे को जिला अध्यक्ष मनोनीत कर प्रमाण पत्र दिया गया। वही डॉ. ज्ञान प्रकाश मिश्र को मुख्य संरक्षक अतिरिक्त प्रभार जौनपुर व अनिरूद्ध तिवारी को बदलापुर ब्लॉक उपाध्यक्ष बनाया गया। यह जिम्मेदारी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष यूपी रत्न पं. राजेंद्र नाथ त्रिपाठी के दिशा निर्देश पर संगठन को मजबूत बनाने के लिए नए पदाधिकारी नियुक्त किए गए। इस मौके पर रामदयाल द्विवेदी, अजय त्रिपाठी, रामकृष्ण त्रिपाठी, राम जी त्रिपाठी, कैलाश शुक्ला, कृष्णा उपाध्याय, रमापति मिश्रा, माताफेर मिश्र, महेंद्र उपाध्याय, अमितेंद्र तिवारी, अरविंद मिश्र ब्लॉक अध्यक्ष महराजगंज, चक्रपति उपाध्याय, रामसहाय पाण्डेय, शशिकांत पाठक, उदयभान पाण्डेय, अनुज कुमार मिश्रा सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

वसई में संगीत संध्या का आयोजित

वसई रोड। वसई रोड वेस्ट स्टेशन के पास पी पी पैराडाइज हॉल में एक संगीत संध्या डी3 दिल दोस्ती दुनियादारी की तरफ से आयोजन किया। जिसमें डी3 की दूसरा सालगिरह मनाया। जहां सभी बसई नालासोपारा विरार के गणमान्य डॉक्टर, इंजीनियर, पुलिस डिपार्टमेंट, टीचर्स ने हिस्सा लिया। जिसमें पुराने सिंगर और नए नए आमंत्रित मेहमान में से सबने अपनी कला बताई और अपना परिचय भी दिया। संगीत संध्या डी3 दिल दोस्ती दुनियादारी का आयोजन संगीता महाडीक रिटायर्ड महाराष्ट्र पुलिस डिपार्टमेंट से थे और संगीत संध्या का आयोजन करके सिंगर और आमंत्रित मेहमानों का दिल जीत लिया। जिसमें गणमान्य डॉक्टर, आशा पुजारी, सकीना, सकीना, मनोज, प्रदीप, राज शाहा, विवेक, पंकज, कल्पना, अपूर्वा, साक्षी सभी सिंगर ने गाना गाया और सभी मेहमान के दिल दोस्ती दुनियादारी तरह खुश किया। डी3 दिल दोस्ती दुनियादारी के कार्यक्रम में सामाजिक संस्था से गीता आयर और उतर शक्ति न्यूजपेपर से नरेंद्र सोनी, दुर्लभ पढ़ीयार उपस्थित होकर संगीत संध्या का मजा लिया।

काशी में नागा संतों ने निकाली पेशवाई,श्रद्धालुओं ने किया स्वागत

(उत्तरशक्ति)
वाराणसी (उत्तरशक्ति)। देवों के देव महादेव की नगरा काशी में बुधवार को माघ मास की पूर्णिमा तिथि (माघी पूर्णिमा) पर नागा संतों ने कड़ी चौकसी के बीच भव्य पेशवाई निकाली। नागा साधु संतों की बैंडबाजा और ढोल नगाड़ों के साथ बैजनत्था स्थित जपेश्वर मठ से हनुमान घाट मठ तक निकले इस पेशवाई में शामिल जूना अखाड़े के सैकड़ों नागा संतों के स्वागत के लिए मार्ग पर नागरिकों की लंबी कतारें दिखी। लोग हर-हर महादेव के उद्घोष के बीच नागा संतों पर पुष्प वर्षा करते रहे। नागा साधुओं की यात्रा की कतारें काफी लंबी रही। इस यात्रा में एक हजार से अधिक नागा साधु शामिल थें। साधु-संतों ने पेशवाई निकालने से पहले श्रंगार किया, शरीर पर भभूत लगाई।

पेशवाई में नागा संतों के आराध्य देव के विग्रह या तस्वीर वाला वाहन सबसे आगे चल रहे थे, जिसे श्रद्धालु बड़े श्रद्धा भाव से देखते रहे। इसके बाद बैंड-बाजे, ढोल-नगाड़े, हाथी-घोड़े के रथ पर नागा अखाड़ों के बड़े संत और महामंडलेश्वर विराजमान होते हैं। इस शोभायात्रा में अनुयायी और शिष्य भी पैदल यात्रा करते हुए संतों के पीछे चल रहे थे। प्रयागराज महाकुंभ से 9 फरवरी को काशी आए नागा संतों ने जपेश्वर मठ में सुबह से ही धार्मिक अनुष्ठान किए। मठ में आयोजित विविध धार्मिक क्रियाओं के बाद, सभी ने अपने आराध्य देव को खिचड़ी का भोग अर्पित किया।

इसके बाद नागा संत पेशवाई के लिए तैयार हुए। पेशवाई का रास्ता कमच्छा, भेलूपुर, गौरीगंज और हरिश्चद्र घाट होते हुए हनुमान घाट स्थित जूना अखाड़े तक पहुंचा। इस यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने बड़े जोश और श्रद्धा के साथ नागा संतों का स्वागत किया। पेशवाई में शामिल नागा संत अपने शरीर पर चिता भस्म लगाए हुए थे और अपनी जटाओं को लहराते हुए बैंडबाजा, डमरू, नगाड़ा जैसे वाद्य यंत्रों की धुन पर करतब दिखा रहे थे। बैंड-बाजे और ढोल-नगाड़े की ध्वनियों के बीच नागा संत भाला, तलवार, त्रिशूल और गदा से अपने पारंपरिक शस्त्रों का प्रदर्शन करते हुए चल रहे थे। इस आयोजन का उद्देश्य केवल धार्मिक आस्था को व्यक्त करना था, बल्कि यह काशी की आध्यात्मिक ऊर्जा को भी प्रकट कर रहा था।